MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-22 ❖ मुंबई ❖ रविवार 21 से 27 मई 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

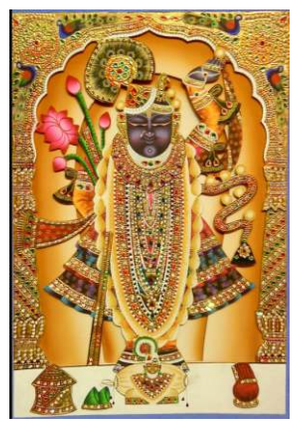

पेज 3

'वानखेडे को BJP क्यों बचा रही, RSS मुख्यालय क्यों गया था?' नाना पटोले ने उठाए गंभीर सवाल

पेज 5

असम पुलिस ने की महिला एसआई की मौत के लिए सीबीआई जांच की सिफारिश, सड़क हादसे में हुई थी मौत

पेज 7

शाहिद-रश्मिका
शुरू करेंगे अनीस बजमी की फिल्म की शूटिंग

पेज 8

समीर वानखेड़े ने एनसीबी जोनल निदेशक के रूप में अपने पद का किया दुरुपयोग, जांच रिपोर्ट में खुलासा

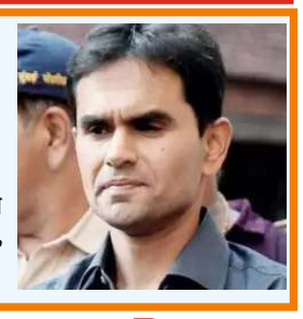

एक नजर

पूछा कहां काम करता है और लूट लिया मोबाइल

साहिबाबाद। थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में साई मंदिर के सामने ग्रीन गेट के पास नहर के किनारे कच्चे रास्ते पर घर से काम पर जा रहे एक व्यक्ति को रोककर बदमाश ने पूछा कहां काम करते हो और उससे मोबाइल लूट लिया। गौरव निषाद ग्राम कनावनी पुस्ता रोड थाना इंदिरापुरम गाजियाबाद में रहते है। वे बजाज सेल्स मार्केटिंग में काम करते है। वे अपने घर से पैदल वैशाली की ओर नहर के किनारे कच्चे रोड से जा रहे थे। इसी दौरान एक लुटेरा साईं मंदिर के सामने ग्रीन बेल्ट के पास झुग्गी से निकला और उसे रोककर पूछा कि कहां काम करते हो? इसी बीच उसने उसका कालर पकड़कर रेडमी का मोबाइल छीन लिया और तेजी से भाग गया। उसने लुटेरे को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह हाथ नहीं आया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लुटेरे की पहचान शुरू कर दी है।

धूमधाम से मना शनिदेव का जन्मोत्सव

धौलाना। कोकिला वन शनिदेव धाम पर मंदिर के महंत पंडित जानकी दास महाराज के सानिध्य में शनिदेव का जन्मोत्सव समारोह मनाया गया। शनिधाम मंदिर के महंत पंडित जानकीदास महाराज ने बताया कि शनिदेव के सुमिरन मात्र से ही भक्तों को सभी संकट से मुक्ति मिलती है और ग्रहों के कष्टों से छुटकारा मिलता है। अभिषेक तोमर के मुताबिक कोकिला वन स्थित शनिदेव धाम में भक्तों की मांगी गई सभी अभिलाषा पूर्ण होती है। पूज्य गुरुजी पंडित जानकी दास महाराज जी के निर्देशन में शनिदेव की भक्तों ने स्तुति कर उनकी जय जयकार की। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे

लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

गढ़मुक्तेश्वर। वट व शनि अमावस्या पर लाखों लोगो ने ब्रजघाट गंगातट, पूठ व कच्चे स्नानघाटों पर गंगा स्नान किया। इसके बाद आसपास के मंदिरों में पूजा अर्चना की। शुक्रवार को वट व शनि अमावस्या पर तीर्थ नगरी गढ़मुक्तेश्वर में करीब तीन लाख लोगों ने ब्रजघाट गंगातट, पूठ व गंगा खादर के कच्चे स्नान घाटों पर गंगा स्नान किया। श्रद्धालुओं ने जरूरतमंदों को भोजन कराया और दान किया। सिंभावली समेत क्षेत्र में अन्य स्थानों पर बने शनि मंदिरों पर पूजा व भंडारे का आयोजन हुआ।

क्या सरकार ऐसे चलती है? RBI के फैसले पर राज ठाकरे ने केंद्र सरकार को लेकर कह दी ये बड़ी बात

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बाजार से 2000 रुपये के नोट वापस लेने का फैसला किया है. आरबीआई ने कहा है कि नोटों का इस्तेमाल 30 सितंबर 2023 तक किया जा सकेगा. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी है. राज ठाकरे ने कहा कि नोटबंदी जैसे फैसले देश के लिए अफोर्डेबल नहीं हैं. राज ठाकरे ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना भारतीय रिजर्व बैंक ने कल (19 मई) को 2000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की. राज ठाकरे से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''यह बकवास है. अगर यह फैसला विशेषज्ञों से सलाह करके लिया गया होता तो यह वक्त आ गया होता. देश ऐसे फैसलों को बर्दाश्त नहीं कर सकता. अब लोग पैसे वापस बैंक में डालेंगे, और आप नए नोट लाएंगे, क्या सरकार ऐसे चलती है? क्या ऐसे प्रयोग होते हैं?" 2000 रुपये का नोट चलन से हटा भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 2000 रुपए के नोट को चलन से हटाने का फैसला किया है. हालांकि, 2000 रुपए के नोट अभी मार्केट में चलेंगे. आरबीआई ने जिन नागरिकों के पास 2000 रुपए के नोट हैं, उन्हें नोट बदलने के लिए 30 सितंबर, 2023 तक की समय सीमा दी है. इसके अलावा बैंकों को यह भी निर्देश दिया गया है कि ग्राहकों को एटीएम या किसी अन्य माध्यम से 2000 रुपए के नोट जारी न करें.

चलन से बाहर होंगे 2000 के नोट, 30 सितंबर तक ही जा सकेंगे बदले

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने दो हजार रुपये के नोट को वापस लेने का एलान कर दिया है। हालांकि, 30 सितंबर तक ये नोट वैध रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को सलाह दी है कि वे तत्काल प्रभाव से दो हजार रुपये के नोट जारी करना बंद कर दें। आरबीआई ने कहा कि 30 सितंबर तक ये नोट वैध मुद्रा (सर्कुलेशन) बने रहेंगे। यानी जिनके पास इस समय दो हजार रुपये के नोट्स हैं, उन्हें बैंक से एक्सचेंज करना होगा। आरबीआई के अनुसार, 2018-19 में ही दो हजार रुपये का नोट को छापना बंद कर दिया था। बता दें कि साल 2016 नवंबर में नोटबंदी के बाद 2000 हजार रुपये का नोट लाया गया था। नोटबंदी में 500 और 1000 रुपये के नोट बंद कर दिया गया था। आरबीआई ने क्यों दो हजार के नोट वापस लेने का एलान किया? इसे समझने के लिए हमने आर्थिक मामलों के जानकार प्रो. प्रहलाद से बात की। उन्होंने कहा, 'जब साल 2016 में आरबीआई ने हजार और पांच सौ के नोटों को बैन करके दो हजार रुपये के नोट जारी किए थे, तभी ये तय था कि इसे ज्यादा समय तक नहीं चलन में रखा जाएगा। केंद्र सरकार ने अपनी रणनीति के तहत काम किया और आज नोटबंदी को पूरी तरह से अंजाम दिया जा रहा है।' प्रो. प्रहलाद ने दो हजार रुपये के नोटों को वापस लेने के मायनों को विस्तार से समझाया... 1. कालाधन पर सरकार का फिर से प्रहार : हाल की घटनाओं पर नजर डालें तो लोग अब कालाधन रखने के लिए दो हजार रुपये के नोटों का प्रयोग करने लगे थे। इसे सरकार भी मानती है। भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी इस मसले को संसद में भी उठा चुके हैं। 2019-19 से ही आरबीआई ने दो हजार के नोटों को छापना बंद कर दिया था। आम लोगों के पास अब बहुत कम ही दो हजार के नोट बचे थे, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग थे जिन्होंने इन दो हजार के नोटों का इस्तेमाल काली कमाई रखने और कालाधन रखने में करना शुरू कर दिया। अब जब आरबीआई ने इन नोटों को वापस लेने का एलान कर दिया है तो साफ है कि एक बार फिर से बड़े पैमाने पर कालाधन बाहर आएगा।

एक्शन में उद्धव ठाकरे, इस नेता को पार्टी ने निकाला, जानें क्या है पूरा मामला?

महाराष्ट्र में शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने अपनी बीड जिला इकाई के अध्यक्ष अप्पासाहेब जाधव को शुक्रवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया. जाधव के खिलाफ यह कार्रवाई उनके द्वारा पार्टी की उप नेता और प्रवक्ता सुषमा अंधारे पर कार्यालय में एयर कंडीशनर लगवाने और उसके लिए फर्नीचर खरीदने के वास्ते कार्यकर्ताओं से पैसे मांगने का आरोप लगाने के बाद की गई है. सामना में प्रकाशित की गई निष्कासन की खबर शिव सेना (यूबीटी) ने पार्टी के एक अन्य स्थानीय नेता धोंडू पाटिल के खिलाफ भी ऐसी ही अनुशासनात्मक कार्रवाई की. जाधव और पाटिल के निष्कासन की खबर शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' के शुक्रवार के संस्करण में प्रकाशित की गई. अंधारे ने आरोपों को किया था खारिज जाधव ने बृहस्पतिवार रात एक वीडियो संदेश

जारी कर अंधारे पर अपने कार्यालय में एयर कंडीशनर (एसी) लगवाने और उसके लिए फर्नीचर खरीदने के वास्ते पार्टी कार्यकर्ताओं से पैसे मांगने का आरोप लगाया था. हालांकि, अंधारे ने जाधव के आरोपों को खारिज किया था. जाधव ने यह भी दावा किया था कि उन्होंने इस मुद्दे पर हुए विवाद के बाद अंधारे को दो बार थप्पड़ मारे थे. हालांकि, अंधारे ने ऐसा कोई भी घटनाक्रम होने से भी साफ इनकार किया था. जाधव बोले- मैंने अंधारे को दो थप्पड़ भी मारे थे जाधव ने कहा था कि यह घटना बृहस्पतिवार रात को बीड शहर में हुई, जहां शनिवार को शिव सेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की एक रैली प्रस्तावित है. उन्होंने बाद में संवाददाताओं से कहा, "हम पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन सुषमा अंधारे हमारे कार्यकर्ताओं से अपने कार्यालय में एसी लगवाने और फर्नीचर खरीदने के लिए पैसे मांग रही हैं. वह मेरे पार्टी पद को भी बेचने की कोशिश कर रही हैं. इसलिए, मेरा अंधारे से झगड़ा हुआ और मैंने उन्हें दो थप्पड़ भी मारे." वहीं, अंधारे ने फेसबुक पर जारी एक फेसबुक पर जारी एक वीडियो में कहा, "(जाधव द्वारा लगाए गए) आरोप हास्यास्पद हैं लेकिन, मैं यहां एकनाथ शिंदे गुट के पटकथा लेखक की तारीफ करना चाहूंगी. उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिव सेना गुट पर पूरे घटनाक्रम की पटकथा लिखने का आरोप भी लगाया.

त्र्यंबकेश्वर मंदिर में जबरन प्रवेश के मामले की एसआईटी ने शुरू की जांच

महाराष्ट्र के नासिक में प्रसिद्ध त्र्यंबकेश्वर मंदिर में दूसरे धर्म के लोगों के जबरन घुसने के कथित प्रयास की शुक्रवार को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जांच शुरू की। एसआईटी के प्रमुख सुखविंदर सिंह ने देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक त्र्यंबकेश्वर मंदिर का दौरा किया। उन्होंने घटना से संबंधित सीसीटीवी कैमरा फुटेज की जांच की और मंदिर के न्यासियों से भी मुलाकात की। गौरतलब है कि 13 मई की इस घटना के बाद भादंसं की धारा 295 यानी धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करने के तहत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सुखविंदर सिंह ने यहां मीडिया से कहा, मैं कुछ लोगों से मिला हूं और कुछ और लोगों से मिलूंगा। संबंधित दस्तावेज देखकर निर्णय लिया जाएगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का आदेश दिया था।

लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर MVA में घमासान?

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने शुक्रवार को कहा कि आगामी 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए महा विकास अघाड़ी (एमवीए) भागीदारों के बीच सीटों का बंटवारा चुनावी योग्यता के आधार पर तय किया जाएगा. एएनआई से बात करते हुए पटोले ने कहा, "जल्द ही इस मामले को सुलझा लिया जाएगा. 21 मई को कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक है, और हम अपने 3 नेताओं को इसमें भेजेंगे. सभी सीटों का फैसला योग्यता के आधार पर किया जाएगा और समिति में चर्चा की जाएगी." बनाई जाएगी समिति राज्य कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष नसीम खान ने कहा कि राज्य के सभी 48 लोकसभा क्षेत्रों की समीक्षा करने और सिफारिश करने के लिए तीनों गठबंधन सहयोगियों (कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी)) के नेताओं की एक समिति बनाई जाएगी.

एक सूत्र जिसे तीनों दलों के नेतृत्व द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि सीटों का बंटवारा "चुनावी योग्यता" के आधार पर किया जाएगा और ऐसा कोई मानदंड नहीं है कि सहयोगी दलों में से एक मौजूदा सांसद वाला निर्वाचन क्षेत्र पार्टी के पास रहेगा. एमवीए में घमासान? गौरतलब है कि इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा था कि अविभाजित शिवसेना ने 2019 के आम चुनाव में महाराष्ट्र में 18 सीटें जीती थीं और ये सीटें उनकी पार्टी के पास रहेंगी. संजय राउत ने नांदेड़ में संवाददाताओं से कहा, "शिवसेना (अविभाजित) ने 2019 के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 18 और दमन और दीव में एक जीत हासिल की थी. भले ही कुछ मौजूदा सांसदों ने दलबदल किया हो, सीटें शिवसेना द्वारा जीती गईं और वे हमारे साथ रहेंगे."

अब 30 गुना अधिक होंगे लू के थपेड़े, भारत 55 डिग्री तापमान वाले देशों में क्यों हो जाएगा शामिल?

देश के कई हिस्सों में इन दिनों गर्मी से लोगों का बुरा हाल है। राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई शहरों में गर्मी से राहत दिलाने के लिए पंखे, कूलर फेल हो रहे हैं और बिना एसी के तो एक पल गुजारना मुश्किल हो रहा है। यह हाल तब है, जब इन दिनों तापमान 40 से 44 डिग्री तक पहुंच जा रहा है। ऐसे में जरा सोचिए कि तब क्या स्थिति होगी, जब पारा 48 से 55 के बीच होगा। देश में लू के थपेड़े 30 गुना अधिक होंगे। जिस तरह से कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन हो रहा है और यह बढ़ता जा रहा है। इससे आशंका ये जताई जा रही है कि आने वाले वर्षों में राजधानी दिल्ली समेत कई शहरों का औसत तापमान अभी की तुलना में 7 से 8 डिग्री और बढ़ सकता है। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ग्रुप के तहत प्रमुख जलवायु वैज्ञानिकों की अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा किए गए रैपिड एट्रिब्यूशन एनालिसिस के अनुसार, दुनियाभर के

हीटवेव हॉटस्पॉट्स में शुमार होने वाले इस क्षेत्र की हाई वल्नेरेबिलिटी ने मौसम के असर को बढ़ा दिया। अप्रैल के दौरान, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों ने तीव्र गर्मी की लहर का सामना किया, लाओस में 42 डिग्री सेल्सियस और थाईलैंड में 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान तक पहुंच गया। खतरनाक श्रेणी में 41 डिग्री सेल्सियस तापमान शीर्ष वैज्ञानिकों की इस रिपोर्ट में काफी चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक अगले कुछ सालों में हीटवेव यानी लू के थपेड़े 30 गुना अधिक होंगे। वह दिन दूर नहीं जब भारत, बांग्लादेश, थाइलैंड जैसे देशों में तापमान 55 डिग्री सेल्सियस के आसपास होगा। इस रिपोर्ट ने 41 डिग्री सेल्सियस तापमान को खतरनाक श्रेणी में रखा है। जबकि 55 डिग्री सेल्सियस तापमान को अति घातक श्रेणी में बताया गया है।

ये रिपोर्ट आगे बताती है कि, अभी दुनिया भर में लू के थपेड़ों से होने वाली मौत का कोई सटीक आकंड़ा नहीं है। क्योंकि हीटवेव से होने वाली मौत काफी दिनों बाद दर्ज की जाती हैं। हीटवेव और जलवायु परिवर्तन को लेकर जो नीतियां बन रही हैं, इनमें हीटवेव पर विशेष जोर नहीं दिया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, हीटवेव आजीविका और रोजगार पर भी संकट खड़ा कर रही है। 'अर्बन प्लानिंग में पैसिव एवं एक्टिव कूलिंग विधियों को अपनाने पर तेजी से बल दिया' पर्यावरण और ऊर्जा मामलों के जानकार और लेखक अरविंद मिश्रा कहते हैं कि, हीटवेव से कैसे बचाव किया जा सके हमें देश मे अब उन कामों पर गौर करना चाहिए। इनमें वार्निंग सिस्टम को मजबूत करने से लेकर अर्बन प्लानिंग में पैसिव एवं एक्टिव कूलिंग विधियों को अपनाने पर तेजी से बल दिया जाना चाहिय। इसके अलावा अर्बन प्लानिंग के दौरान घरों को कुछ इस तरह डिजाइन किया जाता है कि उनके भीतर का तापमान नियंत्रित रहता है। जिससे एसी और दूसरे कूलिंग डिवाइस में होने वाली ऊर्जा की खपत कम होती है। अरविंद मिश्रा के मुताबिक दुनिया भर में जीवाश्म ईंधन की खपत कम करने पर जोर दिया जा रहा है। वह कहते हैं लेकिन जिस तरह कार्बन फुटप्रिंट कम करने को लेकर अमीर और विकासशील देशों में समन्वय का अभाव है, वह संकट को जटिल बना सकता है। ग्रीन मोबेलिटी अर्थात गैर जीवाश्म ईंधन आधारित यातायात को प्रोत्साहित किया जा रहा है, लेकिन यह ट्रांजिशन भारत जैसे विकासशील देश के लिए चुनौतीपूर्ण है। बांग्लादेश और पर्यटन की इकोनॉमी पर केंद्रित थाईलैंड या दूसरे किसी देश की तुलना न्यायसंगत नहीं होगी। मिश्रा कहते हैं कि, जिस समय यह रिपोर्ट जारी हुई है, ऐसे समय में जी-7 की बैठकें जापान में हो रही हैं। इन देशों के पास 45 फीसदी कारोबार है। धरती को गरम करने में इनकी हिस्सेदारी लगभग 60 फीसदी से ऊपर है।

दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का केस फिर पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली: दिल्ली के अफसरों पर किसका कंट्रोल होगा, इसका फैसला भले ही सुप्रीम कोर्ट ने कर दिया हो, मगर केंद्र बनाम दिल्ली सरकार की तकरार अभी खत्म नहीं हुई है. दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का मामला एक बार फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है.

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ एक पुनर्विचार याचिका दाखिल की है. केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर 11 मई के फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है. केंद्र सरकार का यह कदम ऐसे वक्त में आया है, जब एक दिन पहले ही केंद्र सरकार ने एक अध्यादेश जारी किया है, जिसे लेकर एक बार फिर से दिल्ली सरकार से तकरार बढ़ती दिख रही है. बता दें कि बीते दिनों संवैधानिक पीठ ने दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार दिल्ली सरकार को दिया था. दरअसल, केंद्र सरकार ने 'दानिक्स' काडर के 'ग्रुप-ए'

अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए 'राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण' गठित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को एक अध्यादेश जारी किया था.

गौरतलब है कि अध्यादेश जारी किए जाने से महज एक सप्ताह पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था. हालांकि, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अध्यादेश आने से पहले ही शुक्रवार को दिन में आरोप लगाया था कि केन्द्र उच्चतम न्यायालय के फैसले को पलटने के लिए अध्यादेश जारी करने की योजना बना रही है. अध्यादेश में कहा गया है कि 'राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्रधिकरण नाम का एक प्राधिकरण होगा, जो उसे प्रदान की गई शक्तियों का उपयोग करेगा और उसे सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा. प्राधिकरण में दिल्ली के मुख्यमंत्री उसके अध्यक्ष होंगे. साथ ही, इसमें मुख्य सचिव और प्रधान सचिव (गृह) सदस्य होंगे. अध्यादेश में कहा गया है, 'प्राधिकरण द्वारा तय किए जाने वाले सभी मुद्दों पर फैसले उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत से होगा।

प्राधिकरण की सभी सिफारिशों का सदस्य सचिव सत्यापन करेंगे.' अध्यादेश में कहा गया है कि प्राधिकरण उसके अध्यक्ष की मंजूरी से सदस्य सचिव द्वारा तय किए गए समय और स्थान पर बैठक करेंगे. अध्यादेश में कहा गया है.

आपसी समझदारी बने

किरेन रिजिजू को कानून मंत्री पद से हटा दिया गया है। वहीं अर्जुन राम मेघवाल को राज्य मंत्री के रूप में कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। आम तौर पर ऐसा नहीं होता कि कैबिनेट रैंक के मंत्री को कानून मंत्री बना दिया जाए। इसलिए इस बदलाव की खूब चर्चा हो रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में गुरुवार सुबह किए गए एक संक्षिप्त बदलाव के कारण किरेन रिजिजू को कानून मंत्री का अपना पद गंवाना पड़ा। उन्हें अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण माने जाने वाले भू-विज्ञान मंत्रालय में भेज दिया गया। उनकी जगह अर्जुन राम मेघवाल को राज्य मंत्री के रूप में कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। इस घटनाक्रम को कई वजहों से चौंकाने वाला माना जा रहा है। हाल के वर्षों में यह पहला मौका

है, जब कानून मंत्री कैबिनेट रैंक के नहीं होंगे। किरेन रिजिजू सरकार के सबसे हाई प्रोफाइल मंत्रियों में गिने जाते थे। अचानक हुए इस बदलाव की कोई वजह नहीं बताई गई है, लेकिन जिस पृष्ठभूमि में ये बदलाव सामने आए हैं ,उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। कानून मंत्री के रूप में किरेन रिजिजू का कार्यकाल न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच असामान्य टकराव और तनाव के लिए याद रखा जाएगा। जजों की नियुक्ति और ऐसे अन्य मुद्दों को लेकर न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच मतभेद होना और कभी-कभी इनका गंभीर रूप ले लेना भी कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। ऐसा अतीत में होता रहा है, लेकिन ये मामले समझदारी से सुलझाए भी जाते रहे हैं। इस बार न केवल जजों की नियुक्ति से जुड़े मतभेद नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर इन दोनों संस्थानों के परस्पर विरोधी स्टैंड से जुड़ गए बल्कि कानून मंत्री के असामान्य रूप से कड़े बयानों के कारण स्थिति ज्यादा जटिल हो गई। मामले की जड़ में था कलीजियम सिस्टम जिसे केंद्र सरकार समाप्त करना चाहती थी। 2014 में सरकार नैशनल जुडिशल अपॉइंटमेंट्स कमिशन एक्ट (एनजेएसी एक्ट) भी लाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बता कर निरस्त कर दिया था। उसके बाद से ही न्यायपालिका को ऐसा लग रहा था कि कलीजियम की ओर से भेजे जाने वाले नामों को स्वीकार करने में कार्यपालिका बेरुखी दिखा रही है। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि कलीजियम सिस्टम के जरिए जजों की जजों द्वारा नियुक्ति का चलन ठीक नहीं है और इसमें बदलाव किया जाना चाहिए। ये बातें अलग-अलग मौकों पर सार्वजनिक भी की जाती थीं, लेकिन रिजिजू के कार्यकाल में ये अप्रत्याशित रूप से बढ़ गईं। न केवल सुप्रीम कोर्ट ने कलीजियम की सिफारिशों पर अमल में देरी को गंभीर मसला बताते हुए कड़ी प्रशासनिक और न्यायिक कार्रवाई की चेतावनी दी बल्कि कानून मंत्री ने उस पर प्रतिक्रिया देते हुए यहां तक कह दिया कि कोई किसी कोई को धमकी नहीं दे सकता। उन्होंने एक अलग मौके पर यह भी कहा कि देश संविधान से बाहर की कोई व्यवस्था सिर्फ इसलिए नहीं स्वीकार कर लेगा कि वह फैसला कुछ जजों द्वारा लिया गया है। उम्मीद की जाए कि ऐसे सख्त बयानों से न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच बना तनाव अब धीरे-धीरे कम होगा और ठंडे माहौल में गंभीरता के साथ उन मतभेदों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी जो दोनों संस्थानों के बीच उभर आए हैं।

क्यों जरूरी है मलेरिया को मात देना

ज्यादातर लोग समझते हैं कि मलेरिया सिर्फ आर्द्र और गर्म देशों की समस्या है। लेकिन महज एक सदी पहले तक यह बीमारी सुदूर उत्तर के साइबेरिया से लेकर आर्कटिक सर्कल तक फैली हुई थी और अमेरिका के 36 राज्यों में यह स्थानीय बीमारी के रूप में मौजूद थी। अनुमान है कि दक्षिण एशिया, पश्चिमी प्रशांत और मध्यपूर्व में हर साल मलेरिया से 25 लाख मौतें होती हैं। जहां तक भारत की बात है तो यहां 2015 से 2022 के बीच मलेरिया के मामलों में 85.1 फीसदी और मौतों में 83.36 फीसदी गिरावट आई। भारत में पिछले दो-तीन वर्षों से सालाना 100 से भी कम मौतें हो रही हैं। मलेरिया उन्मूलन फिर भी भारत में यह एक गंभीर मसला है क्योंकि दो राज्यों मिजोरम और त्रिपुरा में इसके काफी मामले आते हैं और छह अन्य राज्यों (छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, पश्चिम बंगाल) के कई जिलों में इसका प्रकोप बढ़ा हुआ है। इससे निपटने और साल 2030 तक स्थानीय मामलों की संख्या शून्य तक लाने के लिए सरकार ने नैशनल फ्रेमवर्क फॉर मलेरिया एलिमिनेशन (NFME) लॉन्च किया है। इस व्यापक रणनीति में वेक्टर मैनेजमेंट से लेकर जल्दी बीमारी का पता लगाने, प्रभावी इलाज सुनिश्चित करने, व्यवहार में बदलाव लाने के लिए जागरूकता फैलाने और जनसशक्तीकरण के जरिए लोगों को इसका मुकाबला करने में सक्षम बनाने तक सब कुछ शामिल किया गया है। इन उपायों के जरिए सरकार शुरू में लोगों पर मलेरिया के असर को कम करना और बाद में धीरे-धीरे इसका उन्मूलन करना चाहती है।

कई विकसित देशों ने समृद्धि, अच्छी आवास व्यवस्था और दवाओं के क्षेत्र में हुई प्रगति की बदौलत 1950 के दशक में ही मलेरिया का उन्मूलन कर दिया था। समृद्धि आने से जहां आसपास मच्छरों के पलने वाले पानी भरे गड्ढे सूखते गए, वहीं पशुधन में बढ़ोतरी से मच्छरों को काटने के लिए इंसानों के बदले पशु मिल गए। पौष्टिक भोजन उपलब्ध होने से लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ और शरीर की प्रतिरोध शक्ति बढ़ी। कुनैन और क्लोरोक्वीन जैसी दवाओं से इन देशों में मलेरिया का सस्ता इलाज संभव हुआ और कीटनाशकों के छिड़काव से मच्छरों की आबादी के कई ठिकाने समाप्त हुए। सब-सहारा अफ्रीका के बाहर हर साल होने वाली मौतों का जो आंकड़ा 1930 में 30 लाख से भी ज्यादा हुआ करता था, आज 30 हजार से भी नीचे पहुंच चुका है। 95 फीसदी से ज्यादा मौतें आज सब-सहारा देशों में ही हो रही हैं। फिर भी यह एक समस्या है क्योंकि अफ्रीका में हर साल 5 लाख से ज्यादा लोगों की इसी बीमारी से मौत हो रही है। यहां दो प्रमुख बिंदु हैं ध्यान देने लायक। पहला,जो मलेरिया पैरासाइट अफ्रीका में पाए जाते हैं वे सबसे खतरनाक हैं और उनमें मलेरिया की आम दवा क्लोरोक्वीन की प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो चुकी है। भारत जैसे देशों में यह बात नहीं है। अफ्रीका के मलेरिया फैलाने वाले ज्यादातर मच्छर सिर्फ इंसानों को ही काटते हैं। दूसरा, अफ्रीका में भी 2000 के बाद मलेरिया उन्मूलन की दिशा में काफी प्रगति हो रही थी, लेकिन कोविड के चलते वह बाधित हो गई। इसकी दवाओं की सप्लाई रुकने से 60,000 से ज्यादा मौतें हुईं। दुनिया में मलेरिया से मुक्ति पाने की कोशिशें काफी पहले से चल रही हैं। वैश्विक मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम 1955 में ही शुरू कर दिए गए थे। फिर 1969 में ये बंद कर दिए गए क्योंकि ऐसा लगा कि यह लक्ष्य हासिल हो ही नहीं सकता। 2015 में दुनिया ने फिर इसका उन्मूलन करने का संकल्प लिया। संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक वादों (जिन्हें सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स के रूप में जाना जाता है) को 2030 तक पूरा किए जाने की बात है, जिनमें मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य भी शामिल है। इस दिशा में प्रगति बेहद धीमी है। इतनी कि मौजूदा रफ्तार से मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य तक पहुंचने में और चार सदियां लगेंगी। संयुक्त राष्ट्र के बड़े वादों से जुड़ी असाधारण नाकामियों का यह सिर्फ एक उदाहरण है। इसका कारण यह है कि वादे ही बहुत सारे हैं। इस प्राथमिकता सूची में कुल 169 वादे हैं, जिसका मतलब यह हुआ कि वास्तव में कोई प्राथमिकता ही नहीं रह गई। मलेरिया पर रीमा श्रेट्टा और रैंडोल्फ न्वांफोर (ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी) की एक नई रिसर्च आई है जिसमें अफ्रीका के सबसे ज्यादा प्रभावित 29 देशों में मच्छरदानी का इस्तेमाल बढ़ाने का सुझाव दिया गया है। लोगों का कीटनाशक युक्त मच्छरदानियों के अंदर सोना मलेरिया उन्मूलन का सबसे कारगर उपाय है। मच्छरदानी मच्छरों को रोक देती है और कीटनाशक उन्हें मार देते हैं। एक मच्छरदानी की लागत 4 डॉलर से भी कम बैठती है, लेकिन यह संक्रमण में आश्चर्यजनक कमी ला देती है। अगर मलेरिया उन्मूलन के उपायों पर 1.1 अरब डॉलर का सालाना खर्च भी मान लें तो यह अमेरिकियों द्वारा लिपिस्टिक पर किए जाने वाले खर्च के सामने भी फीका पड़ जाता है। 2023 में ही इससे 30,000 जानें बच जाएंगी। 2030 तक तो मलेरिया से होने वाली मौतें आधी हो जाएंगी। यह रिसर्च बताती है कि मच्छरदानियों से संक्रमण में कमी आएगी, 2030 तक मलेरिया पीड़ितों की संख्या में 24.2 करोड़ की कटौती होगी, जिससे स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च कम होगा। एक डॉलर पर 48 डॉलर बीमारी कम होने का मतलब है ज्यादा वयस्क काम कर पाएंगे, ज्यादा बच्चे स्कूल जा पाएंगे और इनकी देखभाल करने वालों पर दबाव कम होगा। इन सबसे राष्ट्रीय उत्पादकता में इजाफा होगा। हिसाब लगाएं तो मलेरिया उन्मूलन अभियान में खर्च किए गए हरेक डॉलर पर सामाजिक कल्याण के रूप में 48 डॉलर का रिटर्न मिलता है।

कांतिलाल ऐ. पटेल

क्यों उलझ गई है चीनी घुसपैठ की गुत्थी

चीनी सेना ने तीन साल पहले मई के शुरू में पूर्वी लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगी बर्फीली पहाड़ियों वाले कई इलाकों पर एक सुनियोजित साजिश के तहत अतिक्रमण कर भारत को चौंका दिया था। भारत के सख्त एतराज के बाद दोनों देशों के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच कई दौर की बातचीत हुई। फिर अतिक्रमण के कई स्थानों (पैंगोंग झील के दोनों किनारों, गलवान, गोगरा-हॉटस्प्रिंग) पर यथास्थिति बहाल करते हुए चीनी सेना वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लौट गई। लेकिन फिर भी यह विवाद सुलझा नहीं है। डेमचोक और देपसांग इलाके का विवाद दोनों देशों के बीच सुलझा नहीं है और चीन इन्हें लेकर बातचीत करने को भी तैयार नहीं है। जिन चार स्थानों से चीनी सेना लौटी है, उनमें एक बफर जोन बनाया गया है, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा के अंदर भारतीय इलाकों में ही है। इन बफर जोन में भारतीय सेना के जवान गश्त नहीं कर सकते। यानी भारतीय सेना वास्तविक नियंत्रण रेखा के जिन इलाकों पर अपना दावा समझते हुए गश्ती दलों को भेजती रही है, वह अधिकार अब भारत के पास नहीं रहेगा। आज पूर्वी लद्दाख के सीमांत एलएसी वाले इलाकों पर दोनों देशों की सेनाएं

आमने-सामने खड़ी हैं। वहां न युद्ध न शांति की स्थिति बनी हुई है। दोनों देश हालात को स्थिर बताते हैं लेकिन वहां मामूली उकसावा या गलतफहमी से बड़ा संघर्ष छिड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। दोनों बड़ी परमाणु ताकतों के बीच यह विवाद कैसे हल होता है, इस पर दुनिया की निगाहें टिकी हैं। देपसांग और डेमचोक का मसलादेपसांग और डेमचोक के बारे में चीन का कहना है कि ये मई, 2020 के पहले के मसले हैं, जिन पर वह बात नहीं करेगा। ये दोनों इलाके दौलतबेग ओल्डी से लगे हैं, जिनकी सामरिक अहमियत इस मायने में है कि ये इलाके चीन के कराकोरम राजमार्ग और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगिट बाल्टिस्तान के नजदीक हैं। देपसांग के इलाके में चीनी सेना 18 किलोमीटर तक घुस चुकी है और वहां भारतीय सैनिकों को गश्त करने से रोक रही है। लेकिन सचाई यह है कि देपसांग, डेमचोक के इलाकों पर भारत का हमेशा से नियंत्रण रहा है, जिसे वह किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ सकता। पूर्वी लद्दाख के घुसपैठ वाले शेष इलाकों से चीनी सेना की वापसी के सवाल पर दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों के बीच पहली बातचीत सितंबर, 2020 की शुरुआत में मॉस्को में हुई थी।

खासकर, दस सितंबर को चीनी विदेश मंत्री वांग ई और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच बातचीत काफी फलदायक रही थी। दोनों देशों के बीच पांच बिंदुओं वाली सहमति की घोषणा की गई थी, जिसमें चीनी विदेश मंत्री ने माना था कि दोनों देशों के बीच रिश्तों को सामान्य करने के लिए जरूरी हैं कि दोनों सेनाएं अतिक्रमण वाले इलाकों से पीछे हट जाएं यानी डिसइंगेज कर लें।

यह पहला कदम पूरा होने के बाद एलएसी पर जमा 50,000 से अधिक सैनिकों को भी पीछे हटा लेने पर सहमति बनी थी। लेकिन चीन इन वादों से पलट गया। उसने इन सहमतियों को सीमित तौर पर ही लागू किया। चीन की सेना देपसांग और डेमचोक के इलाकों में भारतीय सेना को तो रोक ही रही है, भारतीय चरवाहों को भी पशु नहीं चराने दे रही। इन लद्दाखी चरवाहों का कहना है कि वे सदियों से इस इलाके को अपना मानते रहे हैं। इस मसले को सुलझाने के लिए दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच 18वें दौर की बातचीत में भी चीन ने अपना अड़ियल रुख बनाए रखा। इसके बाद 27 अप्रैल को नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में चीनी रक्षा मंत्री ली शंगफू की भारतीय रक्षा मंत्री से वार्ता के दौरान जब चीन का कड़ा रुख बना रहा तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दो टूक कहना पड़ा कि जब तक चीनी सेनाएं एलएसी तक पीछे नहीं हटेंगी और चीन अपने 50 हजार सैनिकों को वापस नहीं बुला लेता, तब तक भारत-चीन रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते। लेकिन चीन ने अजूबा सुझाव दिया कि भारत-चीन एलएसी पर दोनों देश हालात को स्थिर बनाए रखें और इस मसले पर अधिक ध्यान न दे कर आपसी रिश्तों को बेहतर बनाएं क्योंकि वर्तमान वैश्विक माहौल में दोनों देशों के बीच सहयोगपूर्ण रिश्ता जरूरी है। चीनी रक्षा मंत्री के बयान का मतलब यह हुआ कि चीन भारत के माथे पर बंदूक ताने रखेगा और भारत से अपेक्षा करेगा कि वह चीन से दोस्ती गाढ़ी करे। बढ़ा रहा व्यापार

चीन के इस रुख का नतीजा यह होगा कि भारत पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों पर अपने 50 हजार सैनिकों को तब तक तैनात रखने को मजबूर होगा जब तक कि चीन इन इलाकों से अपनी सेना पीछे नहीं बुला लेता। आर्थिक क्षेत्र में भी भारत की चीन पर निर्भरता बढ़ती ही जा रही है, जो चीन से बढ़ते आयात से साफ है। सीमा पर तनाव और देश में चीन के खिलाफ भारी गुस्सा व चीनी माल के बहिष्कार के आह्वानों के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़कर 135 अरब डॉलर के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। राजनयिक क्षेत्र में भी चीन भारत के लिए मुश्किलें पैदा कर रहा है। आतंकवाद से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक चीन भारत के विरोध में खड़ा दिखता है। चीन के इन नापाक इरादों से भारत कैसे निबटे, भारत के लिए यह बड़ी चुनौती है।

भूपत सांवलिया

चुनाव से पहले क्या मुफ्त सुविधाओं का वादा करना सही है?

किरीट ए. चावड़ा

पहले हिमाचल प्रदेश और फिर कर्नाटक के चुनाव परिणामों ने एक साथ कई बातों पर गंभीरता से विचार करने को बाध्य किया है। भारत के भविष्य की दृष्टि से इसमें एक प्रमुख मुद्दा है लोक कल्याणकारी कार्यों के नाम पर जनता को मुफ्त वस्तुएं और सेवाएं देने के वादे, जिन्हें अंग्रेजी में फ्रीबीज कहा जाता है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने राजधानी दिल्ली में चुनावी विजयों की दृष्टि से इसका सर्वाधिक चतुर उपयोग किया है। इसे ही विस्तारित करते हुए वे पंजाब तक ले गए और वहां भी शानदार विजय का सेहरा उनकी पार्टी के सिर बंधा। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने से लेकर राशन, बिजली सहित ऐसे कई वादे किए जो अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक हैं। संयोग से उसे विजय प्राप्त हुई।

कर्नाटक में कांग्रेस ने इसी नीति का और ज्यादा विस्तार किया और यहां भी उसे जीत मिली। यह तो नहीं कह सकते कि बीजेपी इस दौड़ में बिल्कुल शामिल नहीं है किंतु पुरानी पेंशन योजना की मांग को उसने दृढ़ता से खारिज किया। कर्नाटक में उसने जनता को कुछ वस्तुएं और सेवाएं मुफ्त देने की घोषणा की थी। ज्यादातर नेता, एक्टिविस्ट, जिनके पास राष्ट्र के भविष्य की कल्पना नहीं, जो देश और आम लोगों के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों को समझने में सक्षम नहीं और उनका श्रमसाध्य समाधान नहीं दे पाते, वे अपने को गरीब समर्थक साबित करने के लिए राज्य की ओर से मुफ्त दान की प्रतिस्पर्धा में शामिल हो जाते हैं। मुफ्तखोरी का स्वाद गांधी जी ने कहा था कि मैं देश में किसी को मुफ्तखोरी की अनुमति नहीं दे सकता। उनका स्पष्ट कहना था कि शारीरिक परिश्रम के बगैर किसी व्यक्ति को भोजन नहीं मिलना चाहिए। गहराई से देखें तो राजनीतिक पार्टियों की मुफ्त दान संबंधी घोषणाएं देश के सामूहिक मानस को भिखारी बना देती हैं। जिस व्यक्ति, समाज और देश के अंदर यह भाव और व्यवहार नहीं है कि अपने समक्ष उत्पन्न कठिनाइयों, चुनौतियों को स्वयं के संकल्प और परिश्रम से निपटाएगा, वह व्यक्ति, समाज और देश कभी सशक्त और स्वावलंबी नहीं हो सकता। एक बार समाज को मुफ्तखोरी का स्वाद लग जाए तो परिश्रम कर स्वयं को सक्षम बनाने का संस्कार नष्ट हो जाता है। इस विचार और व्यवहार का प्रभाव देखिए कि जिनके लिए कुछ किलो राशन, कुछ यूनिट बिजली या कुछ लीटर पानी का खर्च मायने नहीं रखता, वे भी इससे प्रभावित होते हैं। कई चुनाव परिणामों (विशेषकर दिल्ली, पंजाब आदि) का निष्कर्ष तो यही है। केंद्र एवं राज्यों को आय के अनुरूप ही कल्याण और विकास के बीच संतुलन बनाते हुए खर्च करना होता है। इस तरह के मुफ्त दान और एक वर्ग को खुश करने के लिए पेंशन आदि बढ़ाई तो उसका असर समूची अर्थव्यवस्था पर होता है। दूसरे समूह भी इसकी मांग करते हैं। इससे विकास की नीतियां और कार्यक्रम प्रभावित होते हैं तथा व्यवहार में आम लोगों के लिए चलाई जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं में भी कटौती करनी पड़ती है। राजनीतिक दलों के लिए भी यह लंबे समय के लिए लाभकारी नहीं होता। लोगों को उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप सांस्कृतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, सामाजिक परिवेश और सुरक्षा का वातावरण तथा विकास चाहिए और न होने पर वे किसी पार्टी को सत्ता से हटा सकते हैं।

दिवंगत एनटी रामाराव ने आंध्र प्रदेश में ऐसी नीतियां लागू की थीं, लेकिन उनकी तेलुगू देशम पार्टी चुनाव में बुरी तरह पराजित हो गई थी।

अकाली दल ने भी पंजाब में लोगों को मुफ्त में काफी कुछ दिया, लेकिन यह उसकी सत्ता की स्थायी गारंटी नहीं बन सका।

इसके विपरीत गुजरात में बीजेपी लगातार 1995 से सत्ता में बनी हुई है और उसने वहां 'रेवड़ियां' बांटने से दूरी बनाए रखी। वहीं, पिछले विधानसभा चुनाव में भी गुजरात के वोटरों ने आम आदमी पार्टी की मुफ्त घोषणाओं को स्वीकार नहीं किया।

ये उदाहरण राजनीतिक दलों के लिए सबक होने चाहिए। वास्तव में मुफ्त दान यानी फ्रीबीज से विजय चुनाव परिणामों का केवल एक पक्ष है। 2014 में देश ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी को लोकसभा में पूर्ण बहुमत दिया। देश का सामूहिक मानस भारत को दूसरे रूप में देखना चाहता था और मोदी में उसे अपनी कल्पना का प्रतिबिंब दिखा। बीजेपी विशेष विचारधारा वाले संगठन परिवार का अंग है जिसकी भारत और विश्व को लेकर व्यापक कल्पना है। तात्कालिक वोट की राजनीति के लिए कोई कदम उठाते हुए उसे अपने दूरगामी आदर्श और उत्तरदायित्व के प्रति हमेशा सतर्क रहना होगा। हिमाचल या कर्नाटक की पराजय वास्तव में बीजेपी की अंदरूनी फूट की परिणति है। आखिर किसान सम्मान निधि, कोरोना काल से अब तक मुफ्त राशन सहित कई मुफ्त वादों के बावजूद उसे यह पराजय मिली तो इसके कारणों की गहराई से समीक्षा करनी चाहिए। शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व की तरह राज्य संगठन एवं सरकार अपने लक्ष्यों, विचारों एवं योजनाओं के प्रति ईमानदारी और प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे तो जनता उनको नकार नहीं सकती। तात्कालिक परिस्थितियों में किन्ही कारणों से पराजय मिली तो फिर से वापसी भी हुई है। कई दूसरे दलों के साथ भी यही बात लागू होती है। अगर बीजेपी जैसी पार्टियां भी इस अंधी दौड़ में शामिल हो जाएंगी तो फिर अन्य दलों में और उसमें कोई गुणात्मक अंतर नहीं रहेगा। अंधी दौड़ से नुकसान

बीजेपी जैसी विचारधारा वाली पार्टी के मूल कार्यकर्ता और समर्थक उससे मुफ्तखोरी की अपेक्षा नहीं करते। वे अपनी मूल घोषणा पर सरकार और संगठन को प्रतिबद्धता के साथ सक्रिय रहते देखना चाहते हैं।

'वानखेडे को BJP क्यों बचा रही, RSS मुख्यालय क्यों गया था?' नाना पटोले ने उठाए गंभीर सवाल

मुंबई : आर्यन खान को नशीले पदार्थों के मामले में गलत तरीके से फंसाने के आरोप में फंसे एनसीबी के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेडे को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने शुक्रवार को सवाल उठाया कि वानखेडे की सीबीआई जांच जारी है ऐसे में राज्य के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मंत्री सुधीर मुनगंटीवार समेत बीजेपी के कई नेता वानखेडे का बचाव क्यों कर रहे हैं? वानखेडे का बीजेपी से क्या रिश्ता है? सरकारी नौकरी में रहते हुए भी समीर वानखेडे नागपुर स्थिति आरएसएस के मुख्यालय क्यों गया था? आरएसएस मुख्यालय में वह किससे मिला और किस लिए मिला? पटोले ने कहा कि इस सब सवालों का जवाब जनता को मिलना चाहिए। पटोले ने यह सब बातें राज्य की कानून और व्यवस्था को लेकर राज्य के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय सक्सेना को ज्ञापन सौंपने के बाद कहीं। ज्ञापन सौंपने वालों में उनके साथ राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के कार्याध्यक्ष नसीम खान भी थे। 'भड़काऊ भाषण देकर माहौल बिगाड़ रहे' पटोले ने कहा कि हमने अपने ज्ञापन में कहा है कि महाराष्ट्र में पिछले कुछ महीनों से कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश कुछ लोग कर रहे हैं। संभाजी नगर, अमरावती, अकोला, शेगांव, अहमदनगर व त्र्यंबकेश्वर में जानबूझकर स्थिति सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश की गई। कुछ लोग भड़काऊ भाषण देकर माहौल को बिगाड़ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन महाराष्ट्र पुलिस ऐसा नहीं कर रही। महाराष्ट्र पुलिस पर आखिरकार किसका दबाव है?

कहां गायब हो रही हैं लड़कियां!

कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में राज्य से बड़ी संख्या में महिलाओं और लड़कियों के गायब होने का मुद्दा भी उठाया है। राज्य भर में औसतन रोज 70 महिलाएं/ लड़कियां गायब हो रही हैं। इस साल जनवरी से मार्च तक राज्य में 5510 महिलाओं/ लड़कियों के गायब होने की खबर है। दूसरी तरफ सरकार 'केरल स्टोरी' फिल्म देखने में व्यस्त है। कांग्रेस ने ज्ञापन में मांग की है कि महिलाओं/ लड़कियों के गायब होने के मामलों की जांच प्राथमिकता के आधार पर की जाए और महिलाओं की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

मुंबई पुलिस के पूर्व ACP शमशेर खान पठान का निधन, रिटायरमेंट के बाद बनाई थी खुद की राजनीतिक पार्टी

मुंबई पुलिस के पूर्व ACP शमशेर खान पठान का निधन हो गया है. उन्होंने बीती रात मसीना हॉस्पिटल में आखिरी सांस ली. वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे. उन्होंने रिटायरमेंट के बाद खुद की राजनितिक पार्टी अवामी विकास पार्टी बनाई थी. जिसके वो अध्यक्ष थे. मुंबई के पूर्व सहायक पुलिस आयुक्त शमशेर खान पठान का आज लंबी बीमारी के कारण निधन हो गया है. पठान 1990 से 2007 तक मुंबई पुलिस बल में बहुत गतिशील और लोकप्रिय कॉप थे. अपनी सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी अवामी विकास पार्टी शुरू की थी. मसीना अस्पताल में ली अंतिम सांस सेवानिवृत्त सहायक पुलिस आयुक्त शमशेर खान पठान के निधन से उनके चाहने वालों में गम का माहौल है. उन्होंने शुक्रवार रात मसीना अस्पताल में अंतिम सांस ली. वह पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे. सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने अपनी राजनीतिक पार्टी बना ली थी. पठान 1990 से 2007 के बीच मुंबई पुलिस में कार्यरत थे. उन्हें एक बहुत ही गतिशील और लोकप्रिय पुलिस अधिकारी के रूप में देखा जाता था. शमशेर खान पठान कई दिनों से बीमार चल रहे थे. राज्य परिवहन की पहली बस के परिचालक का निधन महाराष्ट्र में पुणे-अहमदनगर मार्ग पर एक जून 1948 को चलाई गई राज्य परिवहन की पहली बस के परिचालक लक्ष्मण केवटे का बुधवार रात निधन हो गया. वह 99 साल के थे. महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि केवटे ने मुंबई से 275 किलोमीटर दूर अहमदनगर जिले के मालीवाड़ा इलाके स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ट्वीट कर केवटे के निधन पर शोक जताया. उन्होंने कहा, "राज्य परिवहन (एसटी) की यात्रा शुरू करने वाले केवटे की जीवन यात्रा भले ही थम गई हो, लेकिन एसटी के इतिहास में उनका काम हमेशा याद किया जाएगा."

भारतीय नौसेना ने हिन्द महासागर में डूबी चीनी नौका का पता लगाया : अधिकारी

■ **नई दिल्ली।** भारतीय नौसेना के समुद्री गश्ती विमान पी8आई ने हिन्दी महासागर में तीन दिन पहले डूबी चीन की मछली पकड़ने की नौका का बृहस्पतिवार को पता लगा लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के नौसैनिक पोत को नौका के स्थान की जानकारी दे दी गई है ताकि वह आगे काम कर सके। गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाली चीनी नौका लु पेंग युआन यू नंबर 028 मंगलवार को हिन्द महासागर के मध्य हिस्से में डूब गई था। उसपर सवार चालक दल में चीन के 17, इंडोनेशिया के 17 और फिलीपीन के पांच नाविक सवार थे। ऑस्ट्रेलिया, भारत, श्रीलंका, इंडोनेशिया, मालदीव और फिलीपीन आदि नौका का पता लगाने में चीन की मदद कर रहे हैं।

राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों को न्यायाधीशों को बकाए का भुगतान का निर्देश

■ **नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने जिला न्यायपालिका को न्यायिक प्रणाली की रीढ़ करार देते हुए शुक्रवार को सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को देशभर की निचली अदालतों के न्यायाधीशों को दूसरे राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग (एसएनजेपीसी) की सिफारिशों के अनुसार वेतन बकाया और अन्य बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। एसएनजेपीसी की सिफारिशों में जिला न्यायपालिका की सेवा शर्तों के विषयों को निर्धारित करने के लिए एक स्थाई तंत्र स्थापित करने के मुद्दे से निपटने के अलावा वेतन संरचना, पेंशन और पारिश्रमिक पेंशन और भत्ते शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय ने शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी वी रेड्डी की अध्यक्षता वाली एसएनजेपीसी द्वारा 2020 में की गई सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। उसने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कई मदों के तहत बकाया राशि न्यायिक अधिकारियों के खातों में सकारात्मक रूप से जमा कर दी जाए और अनुपालन हलफनामा 30 जुलाई तक इसके समक्ष दाखिल किया जाए।प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ के फैसले में कहा गया है, वेतन के बकाया के भुगतान के मामले में, इस न्यायालय ने 27 जुलाई, 2022 और 18 जनवरी, 2023 के आदेशों द्वारा पहले ही निर्देशित कर दिया था कि वेतन का सभी बकाया 30 जून, 2023 तक चुका दिया जाए। अनुपालन 30 जुलाई, 2023 तक सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश हलफनामा दायर करें।

एयर इंडिया की फ्लाइट में बुजुर्ग को पैनिक अटैक, 7 घंटे चली आसमान में अफरा-तफरी

मुंबई: एयर इंडिया की फ्लाइट में बुजुर्ग को पैनिक अटैक आ गया। इससे करीब सात घंटे तक फ्लाइट में अफरा-तफरी मची रही। शख्स नेवार्क से मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की खचाखच भरी फ्लाइट में पत्नी संग बिजनेस क्लास में यात्रा कर रहा था। सात घंटे के दरमयां पीड़ित शख्स ने अपनी पत्नी का गला घोंटने की कोशिश की और जोर-जोर से चिल्लाता रहा। इस दौरान उसकी पत्नी के साथ ही क्रू मेंबर्स और बाकी यात्रियों ने भी काफी कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। वहीं एक डॉक्टर ने पीड़ित शख्स को तुरंत दवा का एक डोज दिया। इसके बाद कहीं जाकर वह आदमी शांत हुआ। हाल के दिनों में एयर इंडिया एआई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में यात्रियों के बेकाबू हो जाने के मामले सामने आए हैं। जिसमें खास तौर पर अमेरिका आने जाने वाली उड़ान के बीच ऐसा देखने को मिला। हालांकि यह एक अलग तरह का मामला था जहां यात्री ने एंग्जायटी अटैक का अनुभव किया। एयर इंडिया की यह उड़ान AI-144 भारतीय समयानुसार दोपहर करीब 12.20 बजे नेवार्क से मुंबई के लिए रवाना हुई थी। फ्लाइट में मौजूद एक अन्य यात्री के मुताबिक पीड़ित शख्स की किसी बात को लेकर अटेंडेंट के साथ बहस होने लगी। जिसके बाद शख्स जोर जोर से यह कहकर चिल्लाने लगा कि मुझे फ्लाइट से उतरना है जल्दी दरवाजा खोलो। जिसके बाद क्रू मेंबर्स और सभी यात्री अवाक रह गए। चालक दल के ऐसा न करने पर दिमागी तौर पर घबराए शख्स ने गाली देना शुरू कर दिया। फ्लाइट में मौजूद यात्री ने बताया कि शख्स की पत्नी को भी उसके गुस्से का खामियाजा भुगतना पड़ा। जब लोगों ने उसे पत्नी की गर्दन पकड़ते हुए देखा। वह ऐसी हरकत कर रहा था कि जैसे पत्नी का गला घोंटना चाहता हो।

शिंदे गुट के इन नेताओं को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी? मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर सामने आई बड़ी खबर

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 30 जून को सरकार की कमान संभाली है. उनके पदभार ग्रहण करने के 39 दिन बाद पहला कैबिनेट विस्तार हुआ. कैबिनेट में 28 पद खाली हैं. लेकिन सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका के कारण विस्तार रुका हुआ था. सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया है. उसमें शिंदे सरकार को राहत मिली थी. इसी के चलते कैबिनेट विस्तार की चर्चा शुरू हो गई थी.

कब होगा मंत्रिमंडल का विस्तार?

कैबिनेट विस्तार को लेकर अब हलचल शुरू हो गई है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अपने गुट के मंत्रियों की सूची तैयार की है. दूसरी ओर बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से चर्चा की. जेपी नड्डा गुरुवार को प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के मौके पर प्रदेश आए थे. इस दौरान विस्तार को लेकर उनसे चर्चा हुई. टीवी9 मराठी के अनुसार सूत्रों ने बताया कि इसके चलते 23 या 24 मई को कैबिनेट का विस्तार होगा.

शिंदे गुट ने तैयार की लिस्ट

शिंदे गुट के मंत्रिमंडल विस्तार की सूची भी तैयार कर ली गई है. सूची में विधायक बच्चू कडू, प्रताप सरनाइक, सदा सरवनकर, चिमनराव पाटिल, भरत गोगावले, संजय शिरसाट, यामिनी जाधव और कुछ अन्य शामिल हैं. अभी दो दिन पहले ही सूबे के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्रिमंडल विस्तार के संकेत दिए थे. इससे पहले एकनाथ शिंदे ने कहा था कि जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा.

बच्चू कडू ने क्या कहा?

प्रहार संगठन के नेता बच्चू कडू ने कहा था कि मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा. उन्होंने कहा था, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कैबिनेट विस्तार में कोई दिक्कत नहीं है.

अब जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार होना चाहिए. इस विस्तार में मेरा किरदार कब शामिल होगा, कहा नहीं जा सकता. लेकिन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुझे अपना वचन दिया. वे अपनी बात रखेंगे, यह तय है.

उन्होंने दावा किया कि मंत्रिमंडल का विस्तार 21 मई से 26 मई तक किया जा सकता है. बच्चू कडू ने यह भी कहा कि अगर राज्य में काम करना है और जिले के साथ न्याय करना है तो मंत्रिमंडल विस्तार की जरूरत है.

बांद्रा में पुलिसवाले की पत्नी की ही चेन छीन ले गए लुटेरे, आमजन की रखवाली कैसे कर रही मुंबई पुलिस?

मुंबई: चेन स्नैचरों की चपेट में अब पुलिसकर्मियों के परिजन भी आ रहे हैं। ताजा मामला बांद्रा का है, जहां एक पुलिसकर्मी की पत्नी की गले से सोने का चेन झपटकर स्नैचर फरार हो गए। बांद्रा पुलिस के अनुसार, अंबोली पुलिस में शिवाजी गडदे सिपाही के पद पर तैनात हैं। उनकी पत्नी का नाम सविता गडदे है। सविता रविवार की शाम किसी रिश्तेदार से बात करते हुए बांद्रा स्टेशन की ओर जा रही थीं। बताया जा रहा है कि इस दौरान जैसे ही वह सेंट टेरेसा हाईस्कूल के पास से गुजरी, अचानक पीछे से आ रहे बाइक सवार दो लोगों ने उनकी गर्दन पर झपट्टा मारा और चेन खींचकर भाग गए। सविता की शिकायत पर स्थानीय पुलिस केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की मदद से घटना की जांच कर रही है। गडदे परिवार बांद्रा स्थित न्यू पुलिस कॉलोनी में रहता है।

नकेल कसने में पुलिस को मिल रही कामयाबी बता दें कि मुंबई पुलिस ने इस साल जनवरी से अप्रैल तक 40 केस दर्ज किए हैं, जिनमें से 33 केसों को सुलझा लिया गया है। वहीं, पिछले साल यानी 2022 में जनवरी से अप्रैल तक 75 केसों में से 48 केसों को ही सुलझाने की बात कही है।

इस साल अप्रैल में ही मुंबई पुलिस ने चेन स्नैचिंग के 12 मामले दर्ज किए जिनमें से मात्र 8 मामले जबकि मार्च में 12 में से 9 केसों को सुलझाने में पुलिस सफल रही हैं। 2022 में पुलिस ने 64 प्रतिशत, जबकि इस साल अब तक 82.5 प्रतिशत केसों को सुलझाने का दावा कर रही है। इस हिसाब से देखें तो पिछले साल की अपेक्षा इस साल पुलिस 18.5 फीसदी अधिक चेन स्नैचिंग का केस दर्ज कर मामले को सुलझाने में कामयाब रही है।

दुनिया में सबसे ज्यादा ड्रग्स कंज्यूम करने के टॉप-10 देशों में भारत, मुंबई नशे का मेन मार्केट

शाहरुख खान के बेटे आर्यन और उनके दोस्त अरबाज मर्चेंट को अक्टूबर 2021 कोर्डेलिया क्रूज ड्रग बस्ट मामले में एनसीबी-मुंबई द्वारा आखिरी समय में अभियुक्त के रूप में नामित किया गया था। कुछ अन्य संदिग्धों के नाम हटा दिए गए थे। इस बीच, मुंबई में ड्रग्स कंज्यूम को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े आए हैं।

मुंबई : एनसीबी के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेडे ने शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की। सीबीआई द्वारा अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर वह तीन दिन पहले दिल्ली हाई कोर्ट भी गए थे। तब उन्होंने दर्जनों वॉट्सऐप चैट्स के स्क्रीनशॉट्स कोर्ट को दिए थे। इनमें आर्यन खान की गिरफ्तारी के दिन और बाद के घटनाक्रम से जुड़ी तमाम बाते हैं। उन्हीं चैट्स में एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इसमें लिखा है कि ड्रग्स कंन्जूम करने वालों में भारत दुनिया के टॉप टेन देशों में शामिल है। समीर वानखेडे ने अपने तब के बॉस डेप्युप्टी डायरेक्टर जनरल ज्ञानेश्वर सिंह को लिखा कि नशे के लती लोगों के लिए ड्रग्स खुद को मारे बिना धरती पर छोटी सी जन्नत है। इन दिनों दुनिया का सबसे बड़ा कारोबार ड्रग्स का ही है- 360 बिलियन डॉलर का। दुनिया में करोड़ों लोग ड्रग एडिक्ट्स हैं।

अफगानिस्तान से आती है सबसे ज्यादा ड्रग्स भारत भी इससे अछूता नहीं है। मुंबई के अलावा पंजाब, केरल, बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नै हर जगह ड्रग्स का यह कारोबार फैला हुआ है। अधिकांश ड्रग्स अफगानिस्तान से आती हैं। 40 प्रतिशत लैंड पर वहां सिर्फ ड्रग्स ही उगाई जाती है। तालिबान के

सत्ता में आने के बाद वहां यह कारोबार और बढ़ेगा। दाऊद गिरोह वहां से यह ड्रग्स लेता है और भारत में इन्हें भेजता है। ड्रग्स से कमाई गई रकम बाद में आतंकवादियों और आईएसआई को दी जाती है। कुल मिलाकर ड्रग्स के अवैध कारोबार से होने वाली कमाई से टेरर फंडिंग की जाती है और बाद में इस फंडिंग से भारत में आतंकवादी साजिश रची जाती है। सेक्सअुल हैरेसमेंट में NCB के एसपी की गिरफ्तारी आर्यन केस और उससे पहले रिया चक्रवर्ती की गिरफ्तारी की वजह से सुर्खियों में रही थी। उस केस की जांच से जुड़े कुछ अधिकारियों को किसी अन्य मामले में पिछले पखवाड़े बर्खास्त भी किया गया और अब सीबीआई ने तीन अधिकारियों पर एफआईआर भी की है। लेकिन दिल्ली हाई कोर्ट में जमा वॉट्सऐप चैट्स के स्क्रीनशॉट्स में एक ऐसे केस का भी जिक्र है, जिसमें एनसीबी, मुंबई का एक पूर्व एसपी एक महिला के साथ छेड़छाड़ में गिरफ्तार हुआ।

चैट्स के मुताबिक, वह एसपी 28 सितंबर, 2021 से 2 अक्टूबर, 2021 तक मेडिकल लीव पर था। बाद में भी कई दिन उसने नौकरी जॉइन नहीं की और फिर 8 अक्टूबर को सीधे हैदराबाद में एनसीबी से जुड़े एक केस में ऐविडेंस देने कोर्ट चला गया। हैदराबाद से मुंबई आते वक्त इस एसपी ने ट्रेन में दारू के नशे में एक महिला के साथ दुर्व्यवहार किया।

खारघर से बीकेसी के लिए हर आधे घंटे में प्रीमियम बस सर्विस

मुंबई: खारघर से बीकेसी के बीच सफर करने वालों के लिए बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) प्रीमियम सुविधा बढ़ाने जा रही है। इस रूट पर अगले सप्ताह से हर आधे घंटे में सर्विस मिलेगी। ये प्रीमियम बस का नया रूट होगा। अभी मुंबई में बेस्ट की 60 प्रीमियम बसें चल रही हैं। ये ठाणे-बीकेसी, एयरपोर्ट एक्सप्रेस, बांद्रा-बीकेसी, अंधेरी (पूर्व) और गुंदवली मेट्रो स्टेशन से बीकेसी के बीच सर्विस चलती हैं। बेस्ट को जल्द ही 40 और प्रीमियम बसें मिलने वाली हैं। इस साल के अंत तक बेस्ट के पास 200 प्रीमियम बसें होंगी। ऐसे होती है सीट बुकिंग बेस्ट की प्रीमियम सेवाएं 'chalo' मोबाइल ऐप के जरिए उपलब्ध होती हैं। यात्री को सीट रिजर्व करानी होगी। बस में उतने ही यात्री सवारी करेंगे, जितनी बुकिंग होती है। सर्विस में बेहद कम स्टॉप होते हैं। 'chalo' ऐप डाउनलोड करने के बाद उसमें प्रीमियम बस सर्विस का एक ऑप्शन दिखता है। इसे टैप करने के बाद फ्रॉम-टू, बस का शेड्यूल और सीट बुकिंग का विकल्प दिखता। यात्री ऑल डे रूट के लिए 50 रुपये और एक्सप्रेस रूट के लिए 205 रुपये में सीट बुक कर सकता है। सीट रिजर्व होने के बाद जो बुकिंग आईडी मिलेगी उसे यात्रा के दौरान वैलिडेट कराना होता है।

पेट में गैस और जलन से इंस्टेंट राहत देंगे ये 5 घरेलू नुस्खे, आजमाकर देखिए

राज के.वेगड़

कई बार ज्यादा मिर्च-मसाले का सेवन करने से पेट में जलन की समस्या पैदा होने लगती है। इसके अलावा जो लोग एसिडिटी या गैस की शिकायत करते हैं, उनके पेट में भी हमेशा गर्मी बनी रहती है। एसिडिटी हो या पेट में गैस की दिक्कत, दोनों की चीजें व्यक्ति की रुटीन लाइफ को डिस्टर्ब करके रख देती हैं। ऐसे में किचन में मौजूद कुछ खास चीजों का सेवन करने से न सिर्फ पेट की जलन बल्कि गैस जैसी दिक्कत से भी बड़ी आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

आइए जानते हैं पेट की गैस और जलन से छुटकारा दिलाने वाले किचन में मौजूद क्या हैं ये घरेलू नुस्खे।

पेट में जलन का क्या है कारण-

पेट में जलन एसिड रिफ्लक्स के कारण होती है। एसिड रिफ्लक्स यानी जब पेट का एसिड वापस भोजन नली में आ जाता है तो एसिड रिफलक्स की समस्या उत्पन्न होती है। इसकी वजह से व्यक्ति को सीने में जलन महसूस होने लगती है। यह समस्या ज्यादातर जरूरत से ज्यादा मोटापे, शराब और धूम्रपान का सेवन, हर्निया, अपच, पेट में अल्सर और कुछ खास दवाइयों का सेवन करने की वजह से भी हो सकती है।

पेट की गैस और जलन से छुटकारा

दिलाने वाले नुस्खे-

-खाने के बाद खाएं गुड़-

अगर आपको पेट में जलन की समस्या रहती है तो खाने के बाद गुड़ का सेवन जरूर करें। याद रखें, गुड़ को चबाकर नहीं खाएं बल्कि इसका सेवन चूसते हुए करें।गुड़ मुंह में रखकर चूसने की प्रकिया जितने धीमे होगी उतना ही यह असरदार होगी।

गुड़ मुंह में रखकर चूसने से पाचन बेहतर होता है और जलन की समस्या खत्म होती है।

दही-

दही का सेवन करने से पेट में जलन की समस्या दूर होती है। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध के अनुसार दही में एंटासिड गुण पाया जाता है, जो पेट में जलन और एसिडिटी से आराम दिलाने में मदद करता है।

अदरक का रस

अदरक के रस में एंटीबैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो पेट में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को मारने का काम करते हैं। नींबू और शहद में अदरक का रस मिलाकर पीने से, पेट की जलन शांत होती है।

सौंफ का पानी-

1 कप उबले हुए पानी में 1 चम्मच सौंफ मिला कर रात भर के लिए रख दें। सुबह इसे छान लें और इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और इसे पी लें। इस मिश्रण को दिन में 3 बार पीने से पेट की गर्मी और एसिडिटी की समस्या दूर हो जाएगी। इससे पेट का फूलना और गैस की समस्या भी दूर हो जाती है।

एलोवेरा जूस-

एलोवेरा जूस आपकी आंत में पानी की मात्रा को बढ़ाने के साथ कब्ज की समस्या को भी दूर करता है। इसके लिए आधा कप एलोवेरा जूस का सेवन करके आप पेट की जलन को दूर कर सकते हैं।

जीवनशैली में भी लाएं ये बदलाव-

-तली वसायुक्त चीजों, कैफीन, चॉकलेट, मसालेदार भोजन से सीने में जलन हो सकती है। इन चीजों का सेवन करने से बचें।

-ज्यादा मोटापा भी सीने में जलन का कराण बन सकता है। अगर आपका वजन ज्यादा है तो सबसे पहले आप इसे कम करें।

-रात को सोने से कम से कम 3 घंटे पहले भोजन कर लें।

-शराब और तंबाकू का सेवन करने से बचें।

-ढीले कपड़े पहनने से पाचन तंत्र पर कम दबाव पड़ता है।

वीकेंड को बनाएं सुपर टेस्टी पनीर बेसन चीला रेसिपी के साथ, नोट कर लें बनाने का सही तरीका

वीकेंड शुरू होते ही खाने को लेकर बच्चों की अलग-अलग फरमाइशें शुरू हो जाती हैं। ऐसे में पनीर बेसन चीला संडे के ब्रेकफास्ट के साथ शाम की चाय को भी मजेदार बना सकता है। यह एक लोकप्रिय और स्वादिष्ट पेनकेक्स रेसिपी है। जिसे बेसन के आटे और कसा हुआ पनीर टॉपिंग के साथ बनाया जाता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाई जाती है यह हेल्दी नाश्ता रेसिपी।

पनीर बेसन चीला बनाने के लिए सामग्री-

-1 कप बेसन
-100 ग्राम ग्रेट किया हुआ पनीर
-1 प्याज बारीक कटा हुआ
-1 टमाटर बारीक कटा हुआ
-3-4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई
-1 इंच का अदरक का टुकड़ा ग्रेट किया हुआ -1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
-1/2 चम्मच हल्दी पाउडर
-चुटकी भर हींग
-नमक स्वादानुसार पनीर बेसन चीला बनाने की रेसिपी- पनीर बेसन चीला बनाने के लिए सबसे पहले सभी सामग्री को एक साथ एक बर्तन में मिक्स करें। अब इसमें पानी मिलाएं और एक गाढ़ा बैटर तैयार करें। आप चाहें तो पनीर को चीले के ऊपर से ग्रेट करके भी डाल सकते हैं। ऐसे में चीले के ऊपर

चार्ल्स पटेल

क्रिस्पी पनीर की लेयर बन जाएगी। इस रेसिपी में आप जानेंगे कि कैसे पनीर को बैटर में मिलाकर चीला बनाया जाता है। अब चीला बनाने के लिए तवा गर्म करके उसमें थोड़ा सा तेल डालें। मीडियम आंच पर चीले का बैटर डालें और उसे फैलाएं। गोल्डन ब्राउन होने तक चीले को दोनों साइड से पकाएं।

मास्क में नमी के कारण फैल रहा है ब्लैक फंगस, एक्सपर्ट ने बताया मास्क पहनते समय बरतें क्या सावधानियां

म्यूकोरमायकोसिस (ब्लैक फंगस) के मामलों में हो रही वृध्दि के पीछे मास्क में नमी का होना माना जा रहा है। वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ एस एस लाल ने एक मीडिया एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा कि म्यूकोरमायसिस (ब्लैक फंगस) नामक इस रोग के होने के पीछे लंबी अवधि तक इस्तेमाल किया गया मास्क हो सकता है। मास्क पर जमा होने वाली गंदगी के कण से आंखों मे फंगस इन्फेक्शन होने की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा मास्क में नमी होने पर भी इस तरह का इन्फेक्शन हो सकता है। डॉक्टर लाल ने बताया कि आईसीयू में भर्ती कोविड 19 के मरीज को लंबे समय तक इलाज के दौरान लगाए जाने वाले ऑक्सीजन के कारण भी यह फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। उन्होंने बताया कि कोविड पेशन्ट को स्टेरॉयड की हाई डोज दी जाती है। जिसकी वजह से मरीज का शुगर लेवल बढने से इस तरह के संक्रमण के बढ़ने की अपार संभावना होती है। डॉक्टर लाल ने बताया कि उन्होंने पाया कि हाई बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) भी पैनेथ कोशिकाओं को प्रभावित करता है। हाई बीएमआई वालों में पैनेथ कोशिकाएं असामान्य और अस्वस्थ दिखाई दीं। चूहों पर अध्ययन किया आहार और पैनेथ कोशिका के संबंध को बेहतर तरीके से समझने के लिए शोधकर्ताओं ने पश्चिमी आहार और स्टैंडर्ड डाइट के प्रभावों की तुलना की। उन्होंने लैब में चूहों को वह डाइट दी, जिसमें 40 प्रतिशत कैलोरी फैट, शुगर या टिपिकल वेस्टर्न डाइट जैसे आहार से आईं। फिर उनकी तुलना सामान्य आहार का सेवन करने वाले चूहों से की। आठ सप्ताह बाद देखा कि जिन चूहों ने पश्चिमी आहार का सेवन किया आठ सप्ताह के बाद देखा गया कि पश्चिमी आहार का सेवन करने वाले चूहों में सामान्य आहार का सेवन करने वाले चूहों के समूह की तुलना में अधिक असामान्य पैनेथ कोशिकाएं थीं। पश्चिमी आहार समूह वाले चूहों की पैनेथ कोशिकाओं में दो महीने बाद अन्य नकारात्मक परिवर्तन स्पष्टतौर पर दिखाई दिए। पश्चिमी आहार पश्चिमी आहार में आमतौर पर रेड मीड, प्रोसेस्ड, तला हुआ या उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं। यह परिष्कृत अनाज और चीनी से युक्त होता है।

पश्चिमी आहार बन सकता है इन्फ्लेमेटरी बाउल सिंड्रोम का कारण, अध्ययन में दी गई चेतावनी

महेक जोबनपुत्रा

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक पश्चिमी आहार प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। अध्ययन में दी गई चेतावनी में कहा गया है कि उच्च वसा युक्त और मीठे आहार पैनेथ कोशिका को क्षतिग्रस्त करते हैं। पैनेथ कोशिका आंतों में प्रतिरक्षा कोशिकाएं होती हैं, जो सूजन को नियंत्रण में रखने में मदद करती हैं। जब पैनेथ कोशिका ठीक से अपना कार्य नहीं करतीं तो आंत की प्रतिरक्षा प्रणाली में सूजन होने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन के लेखकों के मुताबिक यह स्थिति लोगों में इंफ्लेमेटरी बाउल सिंड्रोम (सूजन आंत्र रोग) का खतरा बढ़ाती है। शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में चूहों और मनुष्यों दोनों पर अध्ययन के आधार पर यह बात कही।

पश्चिमी जीवनशैली का नकारात्मक प्रभाव अमेरिकी और ब्रिटिश आहार खासतौर से मक्खन, पेस्ट्री, चॉकलेट, कन्फेक्शनरी, पिज्जा, बर्गर और सफेद ब्रेड सहित खाद्य पदार्थों वाला होता है, जिनमें वसा और चीनी उच्च मात्रा में होते हैं। नया अध्ययन सेंट लुइस और क्लीवलैंड क्लिनिक में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया है। इसमें पश्चिमी आहार के प्रसार की चेतावनी दी गई है। अध्ययन के प्रमुख लेखक व वाशिंगटन विश्वविद्यालय से जुड़े ता-चियांग लियू का कहना है कि सूजन आंत्र रोग मुख्य रूप से अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों में लंबे समय से एक समस्या रही है, लेकिन अब यह वैश्विक स्तर पर भी आम होती जा रही है, क्योंकि अधिक से अधिक लोग पश्चिमी जीवनशैली को अपनाने लगे हैं। आंतों में संक्रमण

का खतरा हमारा अध्ययन के निष्कर्ष दर्शाते हैं कि लंबे वक्त तक उच्च वसा और शुगर वाले पश्चिमी आहार का सेवन प्रतिरक्षा कोशिका की कार्यप्रणाली को बिगाड़ सकता है। यह आंत में सूजन का कारण बनने के साथ ही आंतों में संक्रमण का खतरा भी बढ़ा सकता है। यह पहले से ही पता है कि पैनेथ कोशिका को नुकसान इन्फ्लेमेटरी बाउल सिंड्रोम का प्रमुख कारण है। बीएमआई पैनेथ कोशिकाओं को प्रभावित करता है पैनेथ कोशिकाएं आंतों में पाई जाने वाली एक प्रकार की प्रतिरक्षा कोशिका हैं, जो माइक्रोबियल असंतुलन और संक्रामक रोगजनकों से बचाने में मदद करती हैं। इन कोशिकाओं की कार्यप्रणाली में शिथिलता आनुवंशिक परिवर्तनों और पर्यावरणीय कारकों के कारण होती है। उदाहरण के तौर पर पेट में दर्द, दस्त, एनीमिया और थकान वाली बीमारियों या इन्फ्लेमेटरी बाउल सिंड्रोम में अक्सर पैनेथ कोशिकाएं काम करना बंद कर देती हैं। मनुष्यों में पैनेथ सेल की शिथिलता के कारण का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने 930 लोगों पर नैदानिक डेटा वाले डेटाबेस का विश्लेषण किया। इसमें प्रत्येक व्यक्ति के पैनेथ कोशिकाओं का आकलन किया गया।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के जातकों को पारिवारिक कार्यों पर खर्च अधिक होगा। नया कार्य-व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए समय ठीक नहीं है। माता-पिता से आर्थिक सहयोग लेना पड़ेगा। इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाओं पर भी अधिक खर्च करने की स्थिति बनेगी। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। भाई-बहनों से चल रहा विवाद समाप्त होगा।

वृषभ : बिजनेस में उतार-चढ़ाव इस सप्ताह भी बने रहेंगे। हिम्मत और धैर्य से काम करेंगे तो सफलता मिलेगी। समय का उचित प्रबंधन और दिमाग खुला रखने की जरूरत है। संकोची स्वभाव छोड़ेंगे तभी सफलता के पथ पर बढ़ेंगे। निजी जीवन में संबंधों को सुधारने के लिए अपने अहं को त्यागना होगा। छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव की स्थिति ना आने दें।

मिथुन : मिथुन राशि के जातकों की आय प्रभावित होगी, चाहे आप बिजनेस में हों या नौकरी में। इस चक्कर में अपनी सेहत से खिलवाड़ ना करें। यदि परिणाम आपके अनुकूल ना आए तो निराश न हो, आने वाला वक्त बेहतर है। इस सप्ताह स्वजन के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। यात्रा के योग बन रहे हैं।

कर्क : कर्क राशि के व्यापारियों के लिए समय ठीक है। आप अपने बिजनेस से बड़ा लाभ कमाएंगे। नौकरीपेशा जातकों को तरक्की के योग हैं। उच्चाधिकारियों से प्रशंसा प्राप्त होगी। इस सप्ताह कर्क राशि के जातकों की रुचि धर्म, अध्यात्म, योग आदि में बढ़ेगी। आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह ठीक कहा जा सकता है।

सिंह : सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह आय बढ़ाने वाला रहेगा। अवसर का लाभ लेना सीखें। संपत्ति संबंधी कार्यों में आ रही सारी बाधाएं दूर हो जाएंगी और आप नया भवन, भूमि, खरीदने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। विद्यार्थियों के लिए सप्ताह उत्तम है। परीक्षाओं में सफलता मिलेगी।

कन्या : कन्या राशि के जातकों को प्रत्येक क्षेत्र में राहत वाला रहेगा यह सप्ताह। व्यापारी और नौकरीपेशा लोगों को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। पुराने समय से चली आ रही परेशानियां कुछ कम होंगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होने से सभी कार्यों में सफलता सुनिश्चित है। प्रेम संबंधों को लेकर सतर्क रहें। रिश्तों में खटास पैदा होगी।

तुला : तुला राशि के जातकों का स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। विशेष सतर्कता रखें। जलजनित संक्रमण होने का अंदेशा है। नेत्र रोगी सावधान रहें। गर्भवती महिलाओं को भी विशेष सावधानी रखने की जरूरत होगी। पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए सप्ताह सामान्य है। आर्थिक, पारिवारिक, सामाजिक, बिजनेस, सेहत सभी के लिहाज से अच्छी-बुरी दोनों स्थितियां बन सकती है। सभी स्थिति में सम रहना होगा। परिवार में कुछ अनपेक्षित घटनाएं हो सकती हैं। बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें।

धनु : धनु राशि के जातक चाहे नौकरी कर रहे हों या बिजनेस, आप निजी जीवन और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बना लेंगे तो मुश्किलें आसानी से हल हो जाएंगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उच्चाधिकारियों से विवाद संभव है। व्यापारियों को अप-डाउन चलता रहेगा।

मकर : मकर राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने काम पर ध्यान देना होगा। अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाएं। किसी भी काम में आलस्य ना करें। काम को कल पर टालने की प्रवृत्ति का त्याग करें। इस कारोबारियों को कार्य विस्तार फिलहाल टालना पड़ेगा। समय ठीक नहीं है, तरक्की रुक सकती है।

कुंभ : कुंभ राशि के जातकों के लिए सप्ताह सामान्य है। ध्यान रखें कि कोई भी कार्य करते समय पूरी सतर्कता रखें। आपकी कमजोरी का फायदा उठाकर कोई आपके साथ धोखाधड़ी कर सकता है।नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यस्थल पर अधीनस्थों का सहयोग मिलेगा। यदि आप नेत्र रोगी हैं तो छोटी से छोटी परेशानी में भी डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

मीन : मीन राशि के जातकों को थोड़ा अवसरवादी बनना पड़ेगा। जिस मौके का लाभ उठा सकें, वहां जरूर उठाएं। लंबे समय से जो काम अटके हुए हैं उन्हें धरातल पर उतारने के लिए प्रयास जारी रखें। फिलहाल तो कोई काम आगे नहीं बढ़ पाएगा। परिवार के सहयोग से कुछ परेशानीभरा समय बीत जाएगा।

चुटकुले

सोनू- यार मेरा भाई दो दिन तक बैंक में नहीं जा सका
मोनू - ऐसा क्यों?
सोनू - क्योंकि उसे सपने में एक लड़की ने थप्पड़ मारा।
मोनू - इसका बैंक में ना जाने से क्या मतलब?
सोनू - अरे बैंक में लिखा था - "हम आपके सपनों को हकीकत में बदलते हैं।"

एक परेशान महिला दूसरी महिला से
क्या बताऊं बहन,
जब बहू थी तो
अच्छी सास नहीं मिली,
अब सास बनी तो
अच्छी बहू नहीं मिली।

टीवी स्टार हितेन तेजवानी स्टारर निमार्ता अनिल चंदेल की फिल्म शिकंजा द ट्रैप का मुहूर्त

बिग बॉस से सुर्खियों में आए हितेन तेजवानी टीवी पर बेशुमार धारावाहिकों में काम कर चुके हैं और अब वह बड़े पर्दे के लिए भी काम कर रहे हैं। निर्माता अनिल चंदेल की अपकमिंग फिल्म "शिकंजा द ट्रैप" में टीवी स्टार हितेन तेजवानी एक अलग ही अवतार में दिखाई देंगे। मुम्बई में इस फ़िल्म के एक गीत की रिकॉर्डिंग के साथ इस थ्रिलर फिल्म का मुहूर्त किया गया। नारियल तोड़कर विधिवत मुहूर्त हुआ और फ़िल्म का पहला पोस्टर आउट किया गया। जिसमें हितेन तेजवानी शिकंजे में कसे हुए नजर आ रहे हैं। इस अवसर पर हितेन तेजवानी के अलावा फ़िल्म के दूसरे कलाकार मुकुल गोहर, सिमरन खान, ज्योति यादव इत्यादि मौजूद थे। इस गाने के संगीतकार पवन मुरादपुरी, गायक हरमन नाज़िम, गायिका लैरिसा अलमिडा भी यहां उपस्थित थे। चंदेल क्रिएशन्स के बैनर तले बन रही फिल्म के निर्देशक किंडर डब्लू सिंह हैं।

हितेन तेजवानी इस फ़िल्म को लेकर काफी उत्साहित है जिसकी कहानी उन्हें काफी ग्रिपिंग लगी। हितेन कहते हैं कि जब उन्होंने इस स्टोरी को सुना तो उन्हें लगा कि इसमे कुछ नयापन है। किस तरह किसी को फ़िल्म में फंसाया जाता है और फिर वह कैसे उस शिकंजे से निकलता है, यही इसका टर्न और ट्विस्ट है जो बेहद रोमांचक होने वाला है। हितेन तेजवानी के प्रशंसक इस बात से उत्साहित हैं कि जिस प्रकार स्मॉल स्क्रीन पर उन्होंने अपनी एक अलग छाप छोड़ी है उसी तरह बड़े पर्दे पर भी वह अपनी धमाल उपस्थिति दर्ज करवाएंगे।

ईडीवीआर 1टीबी, अटेंडेंस एंड एक्सेस एफआरटी, नेक्स्ट जेन वॉक थ्रू मेटल डिटेक्टर लॉन्च किया

हिकविजन इंडिया ने सेफ वेस्ट इंडिया में अत्याधुनिक तकनीकों, नवीनतम उत्पादों और समाधानों का प्रदर्शन किया

हिकविजन इंडिया ने अत्याधुनिक तकनीकों और समाधानों को प्रदर्शित करने के लिए मुंबई में सिक्योरिटी एंड फायर एक्सपो (सेफ) वेस्ट इंडिया (18 - 20 मई, 2023) के उद्घाटन संस्करण में भाग लिया। सेफ वेस्ट इंडिया का पहला संस्करण मुंबई के बॉम्बे एक्जीबिशन सेंटर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। सेफ वेस्ट इंडिया के कार्यक्रम में भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योगों से अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध प्रदर्शकों, सलाहकारों, उद्योग विशेषज्ञों और प्रमुख सरकारी अधिकारियों को एक मंच पर साथ आने का मौका मिला।

सेफ वेस्ट इंडिया का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. रुक्मणी कृष्णमूर्ति, पूर्व निदेशक, फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरीज निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार और शैक्षणिक परिषद के सदस्य, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गुजरात, गृह मंत्रालय, योगेश मुदरस, प्रबंध निदेशक, इन्फोमा मार्केट्स, और सरकार और निजी क्षेत्र के अन्य प्रमुख

गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ।।

हिकविजन इंडिया ने अपने तीन गेम चेंजर उत्पाद - ईडीवीआर 1टीबी, अटेंडेंस और एक्ससे एफआरटी और नेक्स्ट जेन वॉक मेटल डिटेक्टर को सेफ वेस्ट इंडिया 2023 में लॉन्च किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और आईओटी सिक्योरिटी जैसी ट्रेंडिंग ट्रांसफॉर्मेटिव तकनीकें आगंतुकों के लिए प्रदर्शन के लिए रखीं हैं।

सेफ वेस्ट इंडिया के अनुभव पर बात करते हुए आशीष पी. धकान, एमडी और सीईओ, प्रमा हिकविजन इंडिया प्रा. लिमिटेड ने कहा, “हम एंड-यूजर्स और सुरक्षा पेशेवरों के साथ जुड़ने और प्रभाव पैदा करने की बड़ी उम्मीदों के साथ सेफ वेस्ट इंडिया 2023 के उद्घाटन संस्करण में भाग ले रहे हैं। सेफ वेस्ट इंडिया हमारे ई-डीवीआर 1टीबी लॉन्च के कारण खास है। हम सुरक्षा उद्योग के विशिष्ट आगंतुकों, सम्मानित भागीदारों, सरकारी प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों से मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।“

अभिगम नियंत्रण और सुरक्षा निरीक्षण उत्पाद श्रेणियों में हम दो और उत्पाद पेश कर रहे हैं। ये उत्पाद अटेंडेंस एंड एक्ससे FRT (हिकविजन मिनमो वैल्यू सीरीज DS-K1T320 अटेंडेंस एंड एक्ससे कंट्रोल टर्मिनल विथ फेस रिकॉग्निशन फंक्शन) और वॉक-थ्रू मेटल डिटेक्टर (नेक्स्ट-जेन वॉक-थ्रू मेटल डिटेक्टर ISD-SMG1118L) हैं।

उन्होंने आगे कहा, "हिकविजन इंडिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स टेक्नोलॉजीज में नवीनतम तकनीकी नवाचारों का प्रदर्शन कर रहा है।

हमने वीडियो सुरक्षा, अभिगम नियंत्रण, घुसपैठ अलार्म, निरीक्षण और परिधि सुरक्षा खंडों में नवीनतम उत्पादों और समाधानों का अनावरण किया। हमने मोबाइल रोबोट उत्पाद, मशीन विजन उत्पाद और लॉजिस्टिक विजन समाधान भी प्रदर्शित किए हैं।

हिकविजन इंडिया बूथ पर प्रदर्शित तकनीकों और समाधानों की प्रमुख विशेषताओं में आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस, कलर वू, थर्मल और एक्यूसेंस टेक्नोलॉजी शामिल हैं। प्रदर्शित उत्पाद श्रेणियों में कमांड कंट्रोल सेंटर, ट्रांसमिशन, एसएसडी

असम पुलिस ने की महिला एसआई की मौत के लिए सीबीआई जांच की सिफारिश, सड़क हादसे में हुई थी मौत

असम पुलिस ने महिला पुलिस सब इंस्पेक्टर जूनमोही राभा की मौत के लिए सीबीआई जांच की सिफारिश की है। जूनमोही एक सड़क दुर्घटना में दबंग पुलिस के तौर पर लोकप्रिय हुई थी। असम के पुलिस महानिदेशक जी पी सिंह ने कहा कि नागांव और लखीमपुर जिलों में जहां जूनमोही ने काम किया था और जहां उनकी मौत से जुड़े मामले दर्ज किए गए हैं, वहां के पुलिस अधिकारियों का तबादला किया जा रहा है। उन्होंने कहा- सीआईडी टीम और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुलिस हेडक्वार्टर में पूरे मामले की समीक्षा करने के बाद, मैंने सरकार से जूनमोही राभा से संबंधित चार मामलों को सीबीआई को स्थानांतरित करने की सिफारिश की है।

लेडी सिंघम के नाम से मशहूर 30 वर्षीय जूनमोही राभा की कार मंगलवार को कलियाबोर के सरुभुगिया गांव में एक कंटेनर ट्रक से टकरा गई थी, जिसमें उनकी मौत हो गई। सिंह ने बताया कि इस मामले को सीआईडी की टीम को सौंपने का फैसला जनता की भावनाओं को ध्यान में रखकर लिया गया है। चार में से तीन मामले नागांव जिले में दर्ज है। उनमें से एक मामले में जो 5 मई को दर्ज कराई थी, उसमें वह जांच अधिकारी के तौर पर शामिल थी। वहीं दो मामले उनकी मौत से संबंधित हैं। चौथा मामला जूनमोही के खिलाफ लखीमपुर जिले में दर्ज है। इस मामले में उनके खिलाफ आपराधिक साजिश, डकैती, जान से मारने की कोशिश, गलत तरीके से बंधक बनाने और जबरन वसूली के आरोप में दर्ज किया गया था। यह मामला उनकी मौत से एक दिन पहले यानी की 15 मई को दर्ज कराया गया था।

व्यापार का आदर यानी इन्टरनेशनल डायमंड डे : हार्दिक हुंडिया

व्यापार में बढ़ोतरी ! अक्षय तृतीया के दिन सोना , धन तेरस के दिन चाँदी तो इंटरनेशनल डायमंड डे के दिन हीरा क्यों नहीं ? अब तो लेबग्रोन हीरे भी आ चुके है।

हीरा है सदा के लिये , अब हीरा है सब के लिये । हीरे के खदान से निकला पत्थर जब हीरे कि ज्वैलरी में फिट होकर हम पहनते है तब तक करोड़ों लोगो को रोज़ी रोटी मिल चुकी होती है । पत्थर भी हीरा बने , हीरो का ये हार बनाये आओ हम सभी मिलकर इन्टरनेशनल डायमंड डे मनाये । १२ अगस्त को समाज के विभिन्न क्षेत्र के वो महानुभावों को इन्टरनेशनल डायमंड डे की और से *कोहीनूर ऑफ इंडिया सम्मान से सम्मानित किये जाते है जो हम सभी के लिए प्रेरणा है तो आओ मनाये इन्टरनेशनल डायमंड डे |हार्दिक हुंडियाप्रधान संपादक - फाउंडर इंटरनेशनल डायमंड डे

ज़िंदगी रूपी उद्यान के अंदर व्यापार का महत्व सब से ज्यादा है , व्यापार की बात करे तो , जो व्यापार ने हमे सुख भरी ज़िंदगी दी ! लेकिन हमने उन व्यापार के लिये क्या किया ? व्यापार में साथ देने वाले के लिये क्या किया ? हम दफ़्तर में काम करके थक के आते है तो घर में पत्नी का प्यार हमे थकान भुला देता है । ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारी अपनीं पूरी मेहनत अपने अपने हिसाब से करते है , कोई दफ़्तर की सफाई रखता है , कोई हिसाब बराबर करता है , कोई मार्केटिंग करता है , कोई मैनेजमेंट बराबर करता है तो कोई चोकीदारी भी करता है , तो कोई संपर्क बराबर कराता है । सभी का साथ सहकार मिलता है तभी तो व्यापार आगे बढ़ता है , इन महानुभावों का सम्मान यानी इन्टरनेशनल डायमंड डे । विदेश आये किस डे , हग डे , हमारे देश की संस्कृति को बिगाड़ने वाले डे है । क्यों हम साथ मिलकर इन्टरनेशनल डायमंड डे के दिन हीरे की ज्वैलरी ख़रीदने वालो के लिए कहे की १२ अगस्त को इन्टरनेशनल डायमंड डे है उस दिन जो भी ज्वैलरी ख़रीदेगा तो हीरे की घड़ाई के पैसे नहीं लिए जायेंगे । ऐसे हर व्यापार में इस दिन भारी छूट दी जाये फिर आप देखो

G20 RIIG सम्मेलन: ब्लू इकोनॉमी के जरिये आर्थिक विकास और रोजगार सृजन पर जोर

- पहले दिन कुल चार सत्रों का किया गया आयोजन
- सम्मेलन में 35 से अधिक विदेशी प्रतिनिधि और 40 भारतीय विशेषज्ञ, प्रतिनिधि और आमंत्रित व्यक्तियों ने लिया हिस्सा
- 19 मई को सभी प्रतिनिधि गिर राष्ट्रीय उद्यान और गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर का करेंगे दौरा

दीव। भारत की G20 अध्यक्षता में गुरुवार को दीव (दीव, दमन, नगर हवेली) में 5वीं G20 अनुसंधान एवं नवाचार पहल समूह (रिसर्च एंड इनोवेशन इनिशिएटिव गैदरिंग- RIIG) सम्मेलन का आयोजन किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन के इस मौके पर G20 सदस्यों, आमंत्रित अतिथि देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और वैज्ञानिक समुदाय के आमंत्रित विशेषज्ञ प्रतिभागियों के प्रतिनिधियों ने एक सतत ब्लू इकोनॉमी के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। इस सम्मेलन में 35 से अधिक विदेशी प्रतिनिधि और 40 भारतीय विशेषज्ञ, प्रतिनिधि और आमंत्रित व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

पहले दिन कुल चार सत्रों का आयोजन किया गया। बैठक के पहले दिन अलग-अलग सत्रों में ब्लू इकोनॉमी सेक्टर और अवसर, समुद्री प्रदूषण, तटीय और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता, गहरे समुद्र की खोज और नई और नवीकरणीय अपतटीय ऊर्जा सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। सम्मेलन के दौरान G20 के शेरपा श्री अमिताभ कांत ने दीव में 5वीं G20-RIIG बैठक में एक सतत ब्लू इकोनॉमी पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने समुद्र के पर्यावरण के सामने आने वाली चुनौतियों और एक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने भविष्य की पीढ़ियों के लिए समुद्री संसाधनों की रक्षा करते हुए आर्थिक विकास और रोजगार सृजित करने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। वहीं दीव के प्रशासक श्री प्रफुल्ल के. पटेल ने दीव में 5वीं G20 RIIG बैठक में दुनिया भर के G20 प्रतिनिधियों का स्वागत करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने मछली पकड़ने और पर्यटन को बढ़ावा देने, आर्थिक कल्याण और कुशल अनुसंधान और नवाचार के अपने दृष्टिकोण को व्यक्त किया। दीव में G20 की भारत की यात्रा को दर्शाने वाली सप्ताह भर की प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में भारत के G20 शेरपा अमिताभ कांत, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर केंद्र शासित प्रदेश दीव दमन और दादरा नगर हवेली के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल मौजूद थे।

इससे पहले रिसर्च एंड इनोवेशन इनिशिएटिव कॉन्फ्रेंस (RIIC) में भाग लेने के लिए पहुंचे G20 प्रतिनिधियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। 19 मई को सभी प्रतिनिधि गिर राष्ट्रीय उद्यान और गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर का दौरा करेंगे। इससे पहले सतत ऊर्जा के लिए सामग्री, एनर्जी ट्रांजिशन के लिए सर्कुलर बायो-इकोनॉमी और इको-इनोवेशन पर R I I G सम्मेलन क्रमशः रांची, डिब्रूगढ़ और धर्मशाला में संपन्न हो चुके हैं।

अलैंगिकता पर बेस्ड फिल्म "सुपर वुमन" में रोहित राज मीरा चोपड़ा, पूनम ढिल्लों के साथ आएंगे नजर

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसे विषयों पर फिल्में भी बनाने की हिम्मत की जा रही है जो अनछुए रहे हैं। अलैंगिकता भी एक ऐसा ही नाजुक और रोचक विषय है, जिस पर नाममात्र को ही सिनेमा बना है। अब ऐसे विषय पर बन रही फिल्म "सुपर वुमन" में अभिनेता रोहित राज एक अलग किस्म की भूमिका में दिखाई देने वाले हैं। गोल्डन रेशियो फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फ़िल्म की शूटिंग उन्होंने हाल ही में पूरी की है, जो रोहित राज की दूसरी फीचर फिल्म है।

इस फिल्म का निर्देशन पुरस्कार विजेता निर्देशक ज़ैगम इमाम ने किया है। इस फ़िल्म में मीरा चोपड़ा, तिग्मांशु धूलिया, पूनम ढिल्लों, सानंद वर्मा महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इस सिनेमा की कहानी

एसेक्सअुलिटी के विषय के इर्द-गिर्द घूमती है।रोचक तथ्य यह है कि अलैंगिकता किसी भी तरह की यौन गतिविधि में रुचि या इच्छा की कमी या अनुपस्थिति है। एसेक्सअुल होने का मतलब है किसी भी जेंडर के प्रति शारीरिक इच्छाएं या आकर्षण ना होना। दुनिया की कुल आबादी का सिर्फ 1% या उससे कम अलैंगिक है और इसी वजह से यह कांसेप्ट अब भी समाज और लोगों से परिचित नहीं है।रोहित राज का कहना है कि, "तिग्मांशु जी और मीरा चोपड़ा के साथ काम करना मेरे लिए सुखद अनुभव रहा। फिल्म में अलैंगिकता के इर्द-गिर्द एक अनूठी और दिलचस्प कहानी दर्शाई गई है और इसका उद्देश्य दर्शकों को इस विषय पर ज्ञान देना है। मैं इस फिल्म में मीरा के किरदार के अपोज़िट काम कर रहा हूं। अपने दूसरे प्रोजेक्ट में एक ऐसी फिल्म में काम करना जो एक सामाजिक विषय को संबोधित करती है, मेरे लिए एक आशीर्वाद रहा है। ऐसी फिल्मों में अभिनय करना बहुत महत्वपूर्ण होता है, जहां एक अभिनेता अपनी कला दिखा सकता है। हैं। इस तरह की कलात्मक और रचनात्मक पहलू वाली फिल्मों में काम करना हमेशा खुशी की बात होती है।"रोहित के लिए इस फ़िल्म के निर्देशक के साथ काम करना सीखने का अनुभव रहा। उन्होंने कहा, "निर्देशक जैगम इमाम एक अनुभवी डायरेक्टर हैं और उनके साथ काम करना आसान रहा। उन्होंने मुझे सेट पर अपने किरदार को एक्सप्लोर करने की बहुत आज़ादी दी ताकि स्क्रीन पर बेहतरीन परिणाम मिल सके।"बता दें कि रोहित की पहली फिल्म 'मिस्ट्री ऑफ द टैटू' एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें रोहित एक ऐसे बैरिस्टर की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपनी अक्लमंदी और पुलिस की मदद से 20 साल पुराने हत्या के मामले को सुलझाता है। जल्द ही रिलीज होने वाली इस फ़िल्म में अर्जुन रामपाल, मनोज जोशी, डेज़ी शाह और अमीषा पटेल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

शपथग्रहण समारोह में नहीं दिखा विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन, कांग्रेस ने कई दलों को नहीं भेजा न्योता

कर्नाटक को आख़िरकार आज अपना मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मिल ही गया। आज कांग्रेस के दिग्गज नेता सिद्धारमैया ने कर्नाटक के 30वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं, डीके शिवकुमार ने नई सरकार में उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके अलावा आठ से अधिक विधायकों को सिद्धारमैया मंत्री मंडल में शामिल किया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता कि इस नई सरकार के शपथ समारोह में कौन से दिग्गज नेता शामिल हुए और कौन से नेता कन्नी काटते नजर आए। विपक्षी एकता को झटका दरअसल, समारोह को एकजुट दिखाने के मंच के रूप में भी देखा जा रहा था। क्योंकि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए विपक्षी एकता को दर्शाना जरूरी है। हालांकि, कुछ विपक्षी नेताओं को तो न्यौता ही नहीं दिया गया था। ये नेता हुए शामिल राज्य के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री

और उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, मक्कल नीधि माईम के प्रमुख कमल हसन, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शामिल हुए। वहीं, बिहार के उप मुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौके पर नजर आए। हालांकि, समारोह में सोनिया गांधी उपस्थित नहीं हुईं। न्यौता के बाद भी नहीं पहुंचे ये लोग कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने खुद विपक्ष के कई नेताओं को शपथ समारोह में आने का न्यौता दिया था। हालांकि, न्यौता के बाद भी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारुक अब्दुल्ला, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे, सीपीआई महासचिव डी राजा, सीपीआईएम के महासचिव सीताराम येचुरी समारोह में शामिल नहीं हुए।

पहली कैबिनेट बैठक के बाद ही 'पांच गारंटी' बन जाएंगी कानून, राहुल ने बताई कर्नाटक में जीत की वजह

राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव में कांग्रेस को जीत इसलिए मिली क्योंकि उसके साथ सच था और गरीब लोगों का समर्थन था। वहीं भाजपा के पास पैसा, ताकत और पुलिस है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के बाद ही उनकी पार्टी द्वारा दी गईं पांच गारंटियां कानून बन जाएंगी। राहुल गांधी ने कहा कि पहली कैबिनेट बैठक के कुछ ही घंटे बाद उनके द्वारा किए गए वादे लागू कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लोगों ने भाजपा की नफरत और भ्रष्टाचार को हरा दिया है। 'लोगों ने भाजपा की नफरत को हरा दिया' कर्नाटक के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने बेंगलुरु पहुंचे राहुल गांधी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 'हम झूठे वादे नहीं करते हैं। हम जो कहते हैं, करते हैं। हमारी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक एक-दो घंटे बाद होगी और उस बैठक में सभी पांच गारंटी योजना कानून बन जाएंगी।' राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव में कांग्रेस को जीत इसलिए मिली क्योंकि उसके साथ सच था और गरीब लोगों का समर्थन था। वहीं भाजपा के पास पैसा, ताकत और पुलिस है। लोगों ने भाजपा के भ्रष्टाचार और नफरत को हरा दिया। अपनी पदयात्रा के दौरान मैंने कहा था कि मोहब्बत जीतेगी और

नफरत हारेगी।

राहुल ने बताई कांग्रेस की जीत की वजह राहुल गांधी ने चुनाव में कांग्रेस को जिताने के लिए कर्नाटक के लोगों को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि मीडिया में कांग्रेस की जीत पर काफी कारण बताए गए लेकिन कांग्रेस गरीबों, कमजोर तबके और पिछड़े वर्ग, दलितों और आदिवासियों के साथ खड़ी रही, जिसकी वजह से उसे जीत मिली।

क्या है पांच गारंटी योजना कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पांच गारंटी योजना का वादा किया था। जिनमें सभी परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली (गृह ज्योति), हर परिवार की हेड महिलाओं को 2000 रुपए प्रतिमाह की आर्थिक मदद (गृह लक्ष्मी), हर बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को 10 किलो चावल मुफ्त देने (अन्न भाग्य), सभी बेरोजगार स्नातक युवाओं को हर महीने 3000 रुपए की आर्थिक मदद और सभी बेरोजगार डिप्लोमा धारक युवाओं को 1500 रुपए की अर्थिक मदद देने (युवा निधि) और सभी महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा (शक्ति) का वादा शामिल है।

SPORTS खेल जगत

कोहली के शतक से आरसीबी चमका

●सनराजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से रौंदा

विराट कोहली के शतक और कप्तान फाफ डुप्लेसी के साथ उनकी पहले विकेट की शतकीय साझेदारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग में गुरुवार को यहां हेनरिक क्लासेन के शतक पर पानी फेरते हुए सनराइजर्स हैदराबाद पर आठ विकेट की एकतरफा जीत के साथ प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा।आरसीबी ने कोहली (63 गेंद में 100 रन, 12 चौके, चार छक्के) और डुप्लेसी (71 रन, 47 गेंद, सात चौके दो छक्के) के बीच पहले विकेट की 172 रन की साझेदारी से 187 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार गेंद शेष रहते दो विकेट पर 187 रन बनाकर जीत दर्ज की। कोहली और डुप्लेसी की यह साझेदारी मौजूदा सत्र की किसी भी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। इन दोनों ने दो अप्रैल को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 148 रन की साझेदारी के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा।इस जीत से आरसीबी के 13 मैच में 14 अंक हो गए हैं और टीम चौथे स्थान पर पहुंच गई है। सनराइजर्स की टीम पहले ही प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। टीम के 13 मैच में सिर्फ आठ अंक है और वह अंतिम स्थान पर है। सनराइजर्स ने इससे पहले हेनरिक क्लासेन (51 गेंद में 104 रन, छह छक्के, आठ चौके) के तेजतर्रार शतक और कप्तान एडेन मार्कराम (18) के साथ उनकी तीसरे विकेट के लिए 76 जबकि हैरी ब्रूक (नाबाद 27) के साथ चौथे विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी से पांच विकेट पर 186 रन बनाए। आरसीबी की ओर से माइकल ब्रेसवेल सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 13 रन देकर दो विकेट चटकाए। मोहम्मद सिराज ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 17 रन पर एक विकेट हासिल किया। कर्ण शर्मा ने तीन ओवर में 45 रन लुटाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे आरसीबी को डुप्लेसी और कोहली की जोड़ी ने तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावरप्ले में बिना विकेट खोए 64 रन बनाए। कोहली ने भुवनेश्वर की शुरुआती दो गेंद पर चौके जड़े और फिर अगले ओवर में अभिषेक शर्मा पर भी दो चौके मारे। डुप्लेसी ने कार्तिक त्यागी पर लगातार तीन चौके मारे। वह हालांकि दूसरे चौके पर भाग्यशाली रहे जब डीप मिडविकेट पर ग्लेन फिलिप्स ने कैच टपकाया। उन्होंने भुवनेश्वर की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका भी मारा। कोहली ने पदार्पण कर रहे नितीश कुमार रेड्डी पर छक्का जड़ा। इस तेज गेंदबाज ने इसी ओवर में डुप्लेसी को डीप मिड विकेट पर मयंक डागर के हाथों कैच कराया लेकिन ओवर की दूसरी बाउंसर के कारण यह नोबॉल हो गई। डुप्लेसी ने 12वें ओवर में फिलिप्स पर दो रन के साथ 34 गेंद में अपना अर्धशतक और टीम के रनों का शतक पूरा किया। कोहली ने भी इसी ओवर में चौके के साथ 35 गेंद में 50 रन के निजी स्कोर को पार किया। कोहली ने 15वें ओवर में भुवनेश्वर पर चार चौकों से 18 रन जुटाए। आरसीबी को अंतिम पांच ओवर में 37 रन की जरूरत थी। इससे पहले सनराइजर्स की पारी में क्लासेन के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि उन्होंने जहां 51 गेंद में 104 रन बनाए तो वहीं टीम के बाकी बल्लेबाज 69 गेंद में 82 रन ही जोड़ पाए। डुप्लेसी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद ब्रेसवेल ने पांचवें ओवर में दोनों सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा (11) और राहुल त्रिपाठी (15) को पवेलियन भेज दिया। अभिषेक ने ब्रेसवेल की ढीली गेंद पर कवर प्वाइंट पर महिपाल लोमरोर को कैच थमाया जबकि एक गेंद बाद त्रिपाठी शॉर्ट फाइन लेग पर हर्षल पटेल के हाथों लपके गए जिससे टीम का स्कोर दो विकेट पर 28 रन हो गया।

स्कोरबोर्ड

सनराइजर्स हैदराबादः अभिषेक का लोमरोर बो ब्रेसवेल 11, त्रिपाठी का हर्षल बो ब्रेसवेल 15,मार्कराम बो शाहबाज 18, क्लासेन बो हर्षल 104, ब्रूक नाबाद 27, फिलिप्स का पार्नेल बो सिराज 05,**अतिरिक्त** : 06**कुल**:20 ओवर में पांच विकेट परः 186 रन, **विकेट पतन**:1-27, 2-28, 3-104, 4-178, 5-186, **गेंदबाजी** : सिराज 4-0-17-1,पार्नेल 4-0-35-0,ब्रेसवेल 2-0-13-2,शाहबाज 3-0-38-1,हर्षल 4-0-37-1, कर्ण 3-0-45-0

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर:विराट का फिलिप्स बो भुवनेश्वर 100, डुप्लेसी का त्रिपाठी बो नटराजन 71,मैक्सवेल नाबाद 05,ब्रेसवेल नाबाद 04,**अतिरिक्त** : 07**कुल**:19.2 ओवर मे दो विकेट परः 187 रन,विकेट पतन:1-172, 2-177,**गेंदबाजी**:भुवनेश्वर 4-0-48-1,अभिषेक 3-0-28-0,नटराजन 4-0-34-1,त्यागी 1.2-0-21-0,नितीश 2-0-19-0,डागर 4-0-25-0,फिलिप्स1-0-10-0

आईपीएल-16 स्टेडियम से

कप्तानी के मामले में किसी की नकल करना पसंद नहीं: कृणाल

कोलकाता।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आखिरी चरण के अहम मुकाबलो मे लखनऊसुपर जायंट्स का नेतृत्व कर रहे कृणाल पंड्या ने कहा कि वह कप्तानी के मामले मे सभी से सिखना चाहते है लेकिन किसी की नकल नही करते है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या के बड़े भाई कृणाल को लखनऊ सुपर जायंट्स ने नियमित कप्तान लोकेश राहुल के चोटिल होने के बाद टीम की अगुवाई करने की जिम्मेदारी दी गई है। कृणाल ने यहां मीडिया से बातचीत मे कहा, केएल (लोकेश राहुल) का टीम से बाहर होना काफी निराशाजनक रहा। मैने चुनौती को स्वीकार किया और इस पर खरा उतरने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होने कहा, जाहिर है कि मै टीम का उपकप्तान था और मुझ मे कोई बदलाव (कप्तानी के दौरान) नही आया है। मैने हमेशा से क्रिकेट वैसे ही खेला है जैसा कि मै चाहता था। मैने कप्तानी को भी उसी तरह लिया है। मै किसी की नकल नही करना चाहता। हां, यह जरूर है कि मै हर किसी से अच्छी चीजे सीखने की कोशिश करता हूं। मै अपने तरीके से चीजों को करना चाहता हूं। लखनऊसुपर जायंट्स को शनिवार को यहां कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ खेलना है। टीम को प्लेऑफ मे जगह के अगर-मगर के फेर से बचने के लिए इस मैच मे जीत दर्ज करनी होगी। घरेलू क्रिकेट मे बड़ौदा की कप्तानी कर चुके कृणाल ने कहा, अगर मै अपने तरीके से काम करता हूं तो टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना अधिक होती है। मैने कड़ी मेहनत और एक निश्चित तरीके से क्रिकेट खेला है, और यही बात मै इस टीम की कप्तानी करते समय भी लागू होती है।

मोहन बागान की जर्सी के रंग में दिखेगी लखनऊसुपर जायंट्स की टीम

कोलकाता।लखनऊसुपर जायंट्स की टीम शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच मे जब कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी जर्सी का रंग दिग्गज फुटबॉल क्लब मोहन बागान की लाल और हरे रंग की जर्सी जैसा होगा। लखनऊ सुपर जायंट्स को 2022 मे कोलकाता स्थित आरपी संजीव गोयनका समूह ने खरीदा है। इसी समूह ने 2020-21 सत्र मे इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम मोहन बागान मे बहुलांश हिस्सेदारी हासिल की थी। लखनऊसुपर जायंट्स टीम के मालिक शाश्वत गोयनका ने कहा, यह (मोहन बागान) कोई संस्था नही है, यह वास्तव मे एक भावना है। इसकी विरासत कोलकाता शहर का प्रतिनिधित्व करती है। इसे ध्यान मे रखते हुए, हमने फैसला किया है कि ईडन गार्डन्स मे केकेआर के खिलाफ शनिवार के मैच मे लखनऊकी टीम लाल और हरे रंग की धारीदार जर्सी मे मैदान पर उतरेगी। उन्होने कहा, यह मोहन बागान और हमारे शहर की विरासत को सम्मान देने का हमारा तरीका है। लखनऊकी टीम को उम्मीद है कि शनिवार को स्थानीय समर्थक दर्शक इस मैच मे उनकी टीम का समर्थन करेंगे। टीम को अगर-मगर के फेर के बिना प्लेऑफ मे जगह पक्की करने के लिए इस मैच को जीतना होगा। गोयनका ने कहा, सिर्फ मोहन बागान के प्रशंसक ही नही, बल्कि हम उम्मीद करते है कि कोलकाता के दर्शक भी हमारा समर्थन करेंगे। हमारे लिए कोलकाता हमारा घर है। ऐसे मे हम लोगो से अपनी टीम को अधिक से अधिक समर्थन देने के लिए कहेंगे। यह घोषणा यहां आरपीएसजी हाउस मे लखनऊके कार्यवाहक कप्तान कृणाल पंड्या और विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन की मौजूदगी मे की गई।

पहले छह ओवर में गेंदबाजी अच्छी नहीं थी : धवन

धर्मशाला। दिल्ली कैपिटल्स से 15 रन से हारने के बाद आईपीएल प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने कहा कि उनके गेंदबाज पहले छह ओवर मे अच्छी गेंदबाजी करने मे नाकाम रहे। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दो विकेट पर 213 रन बनाए। जवाब मे पंजाब की टीम आठ विकेट पर 198 रन ही बना सकी। दिल्ली के बल्लेबाजो ने पावरप्ले के छह ओवरो मे बिना किसी नुकसान के 61 रन बनाए थे। धवन ने मैच के बाद कहा , यह निराशाजनक है लेकिन मुझे लगता है कि हम पहले छह ओवर मे अच्छी गेंदबाजी नही कर सके। हमे कुछ विकेट लेने चाहिए थे क्योकि उस समय गेंद मूव कर रही थी। जब तक लियाम लिविंगस्टोन बल्लेबाजी कर रहा था, हमे उम्मीद बंधी हुई थी। लेकिन गेंदबाजी के दौरान आखिरी ओवर स्पिनर से कराने का मेरा फैसला भी उलटा पड़ गया। उससे पहले पावरप्ले मे तेज गेंदबाजो ने सही जगह पर गेंद नही डाली। हर पावरप्ले मे हम 50 . 60 रन दे रहे है और विकेट नही ले पा रहे। हमे पता था कि पहले दो तीन ओवर गेंद स्विंग करेगी लेकिन हम उसका फायदा नही उठा सके।

ट्रिपल सेवन की जीत

लखनऊ ।मैन आफद मैच केपी सिंह 79, अनिल सिंह 50 की शानदार बल्लेबाजी के बाद दीपक तनेजा 3 विकेट की उपयोगी गेदबाजी से ट्रिपल सेवन क्लब ने द्वितीय राजेश सिंह मेमोरियल नाइट कॉरपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट में स्मैश क्रिकेट क्लब को 123 रन से रौंद दिया। पार्थ रिपलिक मैदान पर बुधवार रात खेले गए मैच में ट्रिपल सेवन क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 230 रन बनाये। टीम को सलामी बल्लेबाज गुरबिंदर सिंह ने 32 व संजीव सिंह ने 24 रन बनाकर अच्छी शुरुआत दी । जवाब में स्मैश क्रिकेट क्लब लक्ष्य का पीछा करते हुए निर्धारित ओवर में आठ विकेट पर 107 रन ही बना सका। सलामी बल्लेबाज अजय ने 29 गेंदों पर 5 चौके से 31 रन बनाये। उनके अलावा पीयूष ने 16 और गोल्डी सिंह ने 14 रन बनाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। ट्रिपल सेवन क्रिकेट क्लब से दीपक तनेजा ने 3 जबकि वरुण श्रीवास्तव ने 2 विकेट झटके। आनंद शास्त्री व अनीश ओबराय को 1-1 विकेट मिले।

तेज गेम खेलने में करेगी मदद

नई दिल्ली।लावा ने नई टेक्नोलॉजी और वर्ल्ड क्लास फीचर्स वाले अपने 5 जी स्मार्टफ़ोनए अग्नि-2 को उतारा है। इसमें बिल्कुल नया व दमदार चिपसेट लगाया गया है, साथ ही कई फीचर्स तो इस सेगमेंट में पहली बार पेश किए गए हैं। यह मीडियाटेक के नवीनतम डायमेंसिटी 7050 प्रोसेसर द्वारा संचालित भारत का पहला स्मार्टफोन है, जो तेज रफ्तार से गेम खेलने और ऐप चलाने का अनुभव प्रदान करता है, और इसी वजह से यह स्मार्टफ़ोन भीड़ में सबसे आगे है। इस मौके पर लावा इंटरनेशनल के प्रेसिडेंट एवं बिजनेस हेड सुनील रैना ने कहा कि अग्नि-2 5 जी द इंडियन फायर पावर सही मायने में भारतीय इंजीनियरिंग की काबिलियत को दर्शाता है। इसे 20 हजार रुपये तक की कीमत वाले स्मार्टफ़ोन खरीदने के इच्छुक भारतीय ग्राहकों की जरूरतों और उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। मीडियाटेक इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर अंकु जैन ने कहा कि डायमेंसिटी 7050 गेमिंग का एकदम सहज अनुभव, पावर के शानदार तरीके से उपयोग, एआइ कैमरा एन्हांसमेंट, इंटेलिजेंट परफॉर्मेंस तथा लंबे गेमिंग सेशन के लिए लंबे समय तक चलने वाली बैटरी जैसी सुविधाएं प्रदान करता है।

बेयरस्टो को उम्मीद नहीं थी कि दोबारा चल भी सकेंगे

लंदन। इंग्लैड के स्टार बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को उम्मीद नहीं थी कि अगस्त मे गोल्फ खेलते समय लगी गंभीर चोट के बाद वह दोबारा चल भी सकेंगे। चोट के कारण बेयरस्टो आठ महीने तक क्रिकेट से दूर रहे और अब आयरलैड के खिलाफ अगले महीने होने वाले एक टेस्ट के लिए उन्हे टीम मे चुना गया है। उन्होने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा , मुझे लगा था कि पता नही दोबारा चल सकूंगा या नही , दौड़ सकूंगा या नही या क्रिकेट फिर खेल पाऊंगा कि नही। मेरे दिमाग मे यही सब चल रहा था। यह इस पर निर्भर करता है कि इन सब चीजो के बारे मे कितना सोच रहे है।

गुणतिलका पर यौन उत्पीड़न के चार में से तीन आरोप वापस लिए गए

सिडनी। श्रीलंका के क्रिकेटर धनुष्का गुणतिलका पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के चार मे से तीन आरोपो को गुरुवार को वापस ले लिया गया। गुणतिलका पर पिछले साल एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाया था। गुणतिलका पर चार बार बिना सहमति के यौन संबंध बनाने के आरोप लगाए गए थे जिसके बाद सिडनी पुलिस ने इस 32 वर्षीय खिलाड़ी को नवंबर मे टी20 विश्व कप के दौरान टीम के होटल से गिरफ्तार किया था। सरकारी वकील ने हालांकि सिडनी की एक अदालत मे तीन आरोप वापस ले लिए।

अगर-मगर की कठिन डगर में पंजाब और राजस्थान

●एक दूसरे से आगे निकलने का प्रयास करेंगे

अभी तक के अपने उतार-चढ़ाव वाले प्रदर्शन के कारण अगर-मगर की कठिन डगर में फंसी पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम शुक्रवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में खुद को एक दूसरे से बेहतर साबित करके प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीद बरकरार रखने की कोशिश करेंगी। इन दोनों टीम के 13 मैचों में समान 12 अंक हैं लेकिन राजस्थान की टीम बेहतर रन रेट के आधार पर पंजाब से आगे है। इन दोनों टीम को हालांकि इस मैच में जीत दर्ज करने के अलावा बाकी टीम के मैचों में भी अनुकूल परिणाम के लिए प्रार्थना करनी होगी। पंजाब की टीम फिर से महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही। उसके तेज गेंदबाजों ने पावर प्ले और डेथ ओवरों में रन लुटाए जो टीम को भारी पड़े। कैगिसो रबाडा, सैम कुरेन और अर्शदीप सिंह जैसे गेंदबाजों ने लगभग 10 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए जिससे टीम पर दबाव बना। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बुधवार को यहां रबाडा अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। अर्शदीप का उपयोग इस मैच में पावर प्ले और डेथ ओवरों में नहीं किया गया जिस पर सवाल उठने लाजमी हैं क्योंकि यह तेज गेंदबाज डेथ ओवरों में अपनी यॉर्कर और शुरू में अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान करता रहा है। अर्शदीप के प्रदर्शन में हालांकि निरंतरता का अभाव रहा है और इस करो या मरो वाले मैच में अब उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। शिखर धवन ने दिल्ली के खिलाफ 20वें ओवर में बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार का उपयोग किया लेकिन उनका यह दांव नहीं चला और आखिर में मैच में उनके इस फैसले ने बड़ा अंतर पैदा किया। बल्लेबाजी में पिछले दो मैचों में स्वयं धवन नहीं चल पाए और उन्हें अब आगे बढ़कर नेतृत्व करने की जरूरत है। टूर्नामेंट के पहले चरण में लग रहा था कि राजस्थान रॉयल्स की टीम को हराना बेहद मुश्किल है लेकिन इसके बाद उसकी लय गड़बड़ा गई और पिछले पांच मैचों में से वह केवल एक मैच में जीत दर्ज कर पाई। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और युजवेंद्र चहल जैसे बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। जोस बटलर और कप्तान संजू सैमसन ने भी कुछ शानदार पारियां खेली हैं। इन दोनों से टीम को इस मैच में भी बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। राजस्थान रॉयल्स की टीम को देखते हुए उसे टूर्नामेंट के शुरू में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन अगर वह अब मुश्किल परिस्थिति में है तो इसकी जिम्मेदार वह स्वयं है।

चोटिल उनादकट की जगह सूर्यांश शेडगे लखनऊ टीम में

लखनऊ । मुंबई के युवा हरफनमौला सूर्यांश शेडगे को चोटिल जयदेव उनादकट की जगह आईपीएल की लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में शामिल किया गया है। उनादकट बाएं कंधे में चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। उन्हें दो सप्ताह पहले अभ्यास के दौरान चोट लगी थी। लखनऊ टीम ने एक बयान में कहा , लखनऊ सुपर जायंट्स ने बृहस्पतिवार को सूर्यांश शेडगे को चोटिल जयदेव उनादकट की जगह टीम में शामिल किया। उन्हें 20 लाख रूपए में लिया गया है। बीस वर्ष के शेडगे पिछले सत्र में मुंबई की 17 सदस्ईय रणजी टीम में थे और आठ मैचों में 184 रन बनाने के साथ 12 विकेट भी लिए। लखनऊ इस समय 13 मैचों में 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

प्रथमेश और अवनीत सेमीफाइनल में

●तीरंदाजी विश्व कप : भारतीय रिकर्व टीम बाहर

भारत के युवा तीरंदाज प्रथमेश जावकर और अवनीत कौर ने कोरिया की दमदार चुनौती से पार पाते हुए तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में कंपाउंड वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि रिकर्व तीरंदाज टीम स्पर्धा से बाहर हो गए। उन्नीस वर्ष के जावकर ने कोरिया के आठवीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी को 149 . 148 से हराया। अब उनका सामना सेमीफाइनल में एस्तोनिया के रॉबिन जातमा से होगा। 18 वर्ष की अवनीत ने कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त ओ यूहयुन को कड़े शूटआफ में 142 . 142 (10-10) से मात दी। क्वार्टर फाइनल में अवनीत ने मैक्सिको की डाफने किंटेरो को 147 . 144 से हराया था। प्रथमेश और अवनीत विश्व कप में पहले व्यक्तिगत पदक से एक जीत दूर हैं। इससे पहले भारत की पुरुष रिकर्व टीम क्वार्टर फाइनल में कोरिया से हारकर तीरंदाजी विश्वकप से बाहर हो गई। भारत के धीरज बोम्मादेवरा, अतनु दास और नीरज चौहान की तिकड़ी को ली वू सोक, किम जे देओक और किम वूजिन की शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरियाई टीम के हाथों 0-6 (54-55, 56-57, 54-59) से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने चीनी ताइपे पर 5-3 (57-57, 56-58, 57-56, 58-51) से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। टीम क्वालीफिकेशन में चौथी वरीयता हासिल करने वाली सिमरनजीत कौर, अवनीत कौर और अंकिता भकत की भारतीय महिला टीम ने पहले दौर में ही निराशाजनक प्रदर्शन किया और वह अपने से कम रैंकिंग वाली इंडोनेशिया की टीम से।-5 (54-57, 57-57, 50-52) से हार गई।

कूल्हे की चोट की वजह से फ्रेंच ओपन में नहीं खेल पाएंगे नडाल

पेरिस। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने गुरुवार को घोषणा की कि कूल्हे की चोट के कारण वह फ्रेंच ओपन से हट रहे है और उन्हे उम्मीद है कि 2024 उनके पेशेवर करियर का अंतिम सत्र होगा। क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन मे रिकॉर्ड 14 खिताब जीतने वाले नडाल 2005 मे इस टूर्नामेंट मे पदार्पण के बाद पहली बार इसमे नही खेल पाएंगे। अगले महीने 37 वर्ष के होने वाले नडाल ने स्पेन के मेनाकोर मे अपनी टेनिस अकादमी मे एक संवाददाता सम्मेलन मे दौरान अपनी वापसी और भविष्य की योजनाओ की जानकारी दी।

चोटिल किर्गियोस भी हटे

कैनबरा।निक किर्गियोस ने पैर की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से नाम वापिस ले लिया। उन्हे यह चोट तब लगी थी जब एक व्यक्ति ने बंदूक की नोक पर कथित तौर पर उनकी मां को धमकाया और उनकी कार चुरा ली। कैनबरा टाइम्स ने कहा कि इस घटना के दौरान अपने परिवार को बचाते हुए किर्गियोस को पैर मे चोट लगी। चोट के कारण वह डेनमार्क मे होल्गर रूने के खिलाफ नुमाइशी मैच भी नही खेल सके।

रुने से फिर हारे जोकोविच

●स्वियातेक चोटिल

बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच को डेनमार्क के होल्गर रूने ने छह महीने में दूसरी बार हराते हुए इटालियन ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में 6-2, 4-6, 6-2 से जीत दर्ज की। इससे पहले नवंबर में पेरिस मास्टर्स फाइनल में रूने ने जोकोविच को हराया था। कोर्ट पर उनकी चुस्ती फुर्ती का जोकोविच के पास कोई जवाब नहीं था। क्लेकोर्ट पर रूने का इस सत्र में प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में फाइनल खेला, म्युनिख में खिताब जीता और अब यहां सेमीफाइनल में पहुंचे। यहां छह बार के चैम्पियन रहे जोकोविच पिछले आठ साल में सिर्फ एक बार फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहे हैं। वह अगले सप्ताह नंबर एक की रैंकिंग भी कार्लोस अलकाराज को गंवा देंगे। रूने का सामना सेमीफाइनल में कैस्पर रूड से होगा जिन्होंने फ्रांसिस्को सेरूंडोलो को 7-6, 6-4 से हराया। महिला वर्ग में दो बार की चैम्पियन इगा स्वियातेक विम्बलडन चैम्पियन एलेना रिबाकिना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में दाहिनी जांघ में चोट लगने के कारण बाहर हो गई। अब रिबाकिना का सामना एलेना ओस्टापेंको से होगा जिसने पाउला बाडोसा को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया।

ग्रैंडस्लैम चैंपियन के बीच एटीपी चैलेंजर टूर मैच में वावरिंका ने मे को हराया

बॉरदॉ। पिछले 40 वर्षों से अधिक समय में यह संभवत: पहला अवसर था जबकि दो ग्रैंडस्लैम चैंपियन एटीपी चैलेंजर टूर टेनिस प्रतियोगिता में आमने-सामने थे जिसमें स्टैन वावरिंका ने एंडी मे को सीधे सेटों में हराया। अपनी तरह के इस विशेष मैच में वावरिंका ने 6-3, 6-0 से जीत दर्ज की। इन दोनों खिलाड़ियों ने तीन-तीन ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। वावरिंका ने 2014 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, 2015 में फ्रेंच ओपन और 2016 में अमेरिकी ओपन का खिताब जीता था। मे ने 2012 में अमेरिकी ओपन तथा 2013 और 2016 में विंबलडन का खिताब अपने नाम किया था। यह दोनों उम्रदराज खिलाड़ी अपने करियर में चोटों से भी जूझते रहे। दोनों खिलाड़ियों की उम्र 35 साल से अधिक है।

ओलंपिक क्वालीफायर के दूसरे दौर में भारत जापान, वियतनाम व उजबेकिस्तान के साथ

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम को एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर के दूसरे दौर में जापान, वियतनाम और मेजबान उजबेकिस्तान के साथ रखा गया है। ए मुकाबले 23 अक्टूबर से एक नवंबर तक खेले जाएंगे। भारत ने किर्गीज गणराज्य को 5-0 और 4-0 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। भारतीय टीम (61वां रैंक) ग्रुप सी में सबसे निचली रैंकिंग वाली है जबकि जापान की रैंकिंग 11वीं है। वियतनाम 33वीं और उजबेकिस्तान 50वीं रैंकिंग पर है। भारत ने पहले दौर के क्वालीफायर से पहले उजबेकिस्तान के खिलाफ एक दोस्ताना मैच भी खेला जिसमें उसे 2-3 से पराजय झेलनी पड़ी। चार टीमें (तीन ग्रुप विजेता और सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली उपविजेता टीम) तीसरे दौर में पहुंचेंगी जो अगले साल 24 से 28 फरवरी के बीच खेला जाएगा। विजेताओं को 2024 ओलंपिक में महिला फुटबॉल में एशिया के लिए आरक्षित दो स्थान मिलेंगे।

भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम को स्वर्ण

लखनऊ। भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ढाका बांग्ल ादेश में गत 13 से 17 मई तक आयोजित आईएचएफ ट्राफी महिला यूथ व जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप में मेजबान बांग्लादेश को 48-17 गोल से हराकर स्वर्ण पदक जीतते हुए खिताब पर कब्जा बरकरार रखा। इस सफलता के साथ भारतीय जूनियर महिला हैंडबॉल टीम ने आगामी महिला आईएचएफ ट्राफी एशिया कांटिनेंटल फेज चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। दूसरी ओर भारत की यूथ महिला टीम इस चैंपियनशिप में उपविजेता रही। भारतीय जूनियर महिला टीम से खेलते हुए उत्तर प्रदेश की आराधना त्रिपाठी व समृद्धि सिंह सहित भारतीय यूथ महिला टीम से शिवानी भारती ने खेलते हुए उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। भारतीय टीम की सफलता पर हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक आनन्देश्वर पाण्डेय ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सफलता इस बात का प्रतीक है कि भारत हैंडबॉल में लगातार दमदार प्रदर्शन से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ रहा है।

मैड्रिड को करारी शिकस्त देकर मैनचेस्टर सिटी चैंपियंस लीग के फाइनल में

मैनचेस्टर। बर्नार्डो सिल्वा के दो गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने रियाल मैड्रिड को 4-0 से करारी शिकस्त देकर चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। इन दोनों टीमों के बीच सेमीफाइनल का पहला चरण।-। से बराबरी पर छूटा था और ऐसे में दूसरा चरण निर्णायक बन गया था जिसमें शुरू से लेकर आखिर तक मैनचेस्टर सिटी का दबदबा रहा। रियाल मैड्रिड ने बेहद खराब खेल दिखाया और अगर गोलकीपर कौरटोइस ने कुछ अच्छे बचाव नहीं किए होते तो 14 बार का चैंपियन इससे भी बड़े अंतर से हार सकता था।सिटी की तरफ से सिल्वा ने अपने दोनों गोल पहले हाफ में किए जबकि एडर मिलिटाओ ने दूसरे हाफ के शुरू में आत्मघाती गोल किया। अल्वारेज ने इंजरी टाइम में चौथा गोल करके सिटी को सेमीफाइनल में ओवरऑल 5-। से जीत दिलाई। इस जीत से सिटी तीन प्रमुख प्रतियोगिताओं इंग्लिश प्रीमियर लीग, चैंपियंस लीग और एफए कप के खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है।

भारतीय महिला हॉकी टीम पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 2-4 से हारी

भारतीय महिला हॉकी टीम की ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत निराशाजनक रही जब टीम को गुरुवार को यहां मेट स्टेडियम में तीन मैच की श्रृंखला के पहले टेस्ट में मेजबान टीम के खिलाफ 2-4 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। पहले क्वार्टर में दोनों ही टीम गोल करने में नाकाम रही जिसके बाद दुनिया की तीसरे नंबर की टीम ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर में पदार्पण कर रही ऐसलिंग यूटरी (21वें मिनट) और मैडी फिट्जपैट्रिक (27वें मिनट) के गोल से 2-0 की बढ़त बनाई। मेजबान टीम के लिए तीसरे क्वार्टर में एलिस आर्नोट (32वें मिनट) और कर्टनी शोनेल (35वें मिनट) ने गोल किए। दुनिया की आठवें नंबर की टीम भारत की ओर से संगीता कुमारी (29वें मिनट) और शर्मिला देवी (40वें मिनट) ने गोल दागे। श्रृंखला का दूसरा मैच इसी स्थल पर शनिवार को खेल जाएगा। भारतीय टीम दौरे के दौरान ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भी दो मैच खेलेगी। इस दौर के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम की हांगझोउ एशियाई खेलों की तैयारी शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया ने मैच में आक्रामक शुरुआत की। टीम को शुरुआत में ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन दोनों मौकों पर भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता ने विरोधी टीम के प्रयास को नाकाम किया। भारत को भी दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन मेहमान टीम भी इनका फायदा नहीं उठा सकी जिससे पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। ऑस्ट्रेलिया को दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में भी दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन इस बार भी सविता गोल के आगे अडिग डटी रहीं। ऐसलिंग ने हालांकि 21वें मिनट में मिले क्रॉस पर सविता को छकाकर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद आक्रामक तेवर अपनाए और टीम को भारत के खराब डिफेंस का फायदा मिला। फिट्जपैट्रिक ने छह मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मेजबान टीम को 2-0 से आगे किया।

हॉलीवुड फिल्म 'कंधार' से रिलीज हुआ अली फजल का पहला पोस्टर

अभिनेता अली फजल ने अपनी आगामी हॉलीवुड एक्शन थ्रिलर फिल्म कंधार का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया। विक्टोरिया एंड अब्दुल, डेथ ऑन द नाइल, फास्ट एंड फ्यूरियस जैसी कई अन्य हॉलीवुड फिल्मों में नजर आ चुके अली फजल जल्द ही लौट रहे हैं। अली, जेरार्ड बटलर के साथ हॉलीवुड एक्शन थ्रिलर फिल्म कंधार में धमाल मचाते दिखाई देने वाले हैं। जब से फिल्म का एलान हुआ है, तभी से अली के फैंस इस फिल्म में उन्हें देखने के लिए उत्साहित हैं। अब उनकी उत्सुकता को और बढ़ाते हुए अभिनेता ने फिल्म से अपना फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया है। स्टाग्राम पर, अली ने प्रशंसकों के साथ पोस्टर साझा करते हुए लिखा, धड़कनें बढ़ा देने वाला एक्शन। बड़ी स्क्रीन के लिए बनी एक जोश बढ़ाने वाली राइड। क्योंकि यहां रेत में कुछ सीरियस एक्शन हुआ। हां, हमने केटीएम पर डर्ट बाइकिंग की। मेरी नई फिल्म कंधार को देखें, 26 मई से, सिर्फ थिएटर में। फर्स्ट लुक पोस्टर में, अली को रेगिस्तान के बीच में एक डर्ट बाइक के सामने एक टफ लुक में देखा जा सकता है। अभिनेता का यह लुक फैंस को खूब भा रहा है। वे लोग पोस्टर पर लगातार कमेंट कर अपना प्यार जता रहे हैं। अली हॉलीवुड के सबसे बड़े एक्शन सितारों में से एक जेरार्ड बटलर के साथ नजर आएंगे। यह फिल्म अमेरिका में 26 मई को रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म को बड़े पैमाने पर सऊदी अरब के अल उला क्षेत्र में शूट की गई थी। अली जफर पहले भारतीय अभिनेता हैं जिन्होंने, मशहूर अभिनेता डेम जूडी डेंच के साथ 2017 की फिल्म विक्टोरिया एंड अब्दुल के साथ हॉलीवुड फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है। अभिनेता अब निर्देशक, रिक रोमन वॉ द्वारा एक्शन फिल्म कंधार में प्रमुख भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं। रिक रोमन वॉ द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अली जफर के अलावा स्कॉटिश अभिनेता जेरार्ड बटलर, नावीद नेगहबान, ट्रैविस फिमेल और एल्नाज नोरोजी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 26 मई, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

आरआरआर के बाद राजामौली की नई फिल्म का निकला मुहूर्त

पिछले एक साल से यह चर्चा जोरों पर है। कि साउथ सिनेमा के मशहूर निर्देशक एसएस राजामौली अपनी अगली फिल्म में सुपरस्टार महेश बाबू के साथ शुरू करने वाले हैं। जब से इस जोड़ी की पुष्टि हुई है तभी से दोनों के प्रशंसक फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही है। दर्शक जानना चाहते हैं कि फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी। और, हम आपको बताने जा रहे है कि राजामौली की पिछली हिट फिल्म 'आरआरआर' के बाद उनकी महेश बाबू स्टारर अगली फिल्म कब शुरू होने जा रही है।

इस आने वाली फिल्म को लेकर महेश बाबू बहुत उत्साहित हैं। पिछले साल एक साक्षात्कार में अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए महेश बाबू ने कहा था,

%इस समय फिल्म पर बात करना ठीक नहीं है। लेकिन यह फिल्म मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। मैं और एसएस राजामौली काफी समय से एक साथ काम करने की कोशिश कर रहे थे और अब आखिरकार यह होने जा रहा है। मैं अपनी इस आने वाली फिल्म को लेकर बहुत ही उत्साहित हूं। महेश बाबू इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह उनकी 28वीं फिल्म है और अगले जनवरी मे रिलीज होने जा रही है। इसके तुरंत बाद महेश बाबू अपनी अगली फिल्म की शूटिंग विधिवत शुरू कर देंगे। एसएस राजामौली के साथ बनने वाली उनकी यह फिल्म दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों में शूट की जाएगी और इसे तेलुगू व हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म में महेश बाबू एकदम अलग अवतार में नजर आएंगे। फिल्म के नाम की अभी तक कोई घोषणा नहीं हुई है। एसएस राजामौली के पिता और पटकथा लेखक वी विजयेंद्र प्रसाद ने एक साक्षात्कार के दौरान शूटिंग की इन तारीखों की पुष्टि की है। विजयेंद्र प्रसाद ने संकेत ये भी दिया कि महेश बाबू की राजामौली के साथ बनने वाली फिल्म का मुहूर्त इसी साल के आखिरी महीने में हो सकता है। शूटिंग महेश बाबू की निर्माणाधीन फिल्म के रिलीज होने के तुरंत बाद शुरू हो जाएगी। राजामौली की पिछली फिल्म 'आरआरआर' की चर्चा अभी तक हो रही है। इस फिल्म के गाने 'नाटू नाटू' के लिए फिल्म के संगीतकार ए एम कीरावणी ऑस्कर भी जीत चुके हैं। इसके पहले राजामौली ने बाहुबली सीरीज की फिल्मों के जरिये पूरी दुनिया में धूम मचा दी थी। इस सीरीज की फिल्मों से सुपरस्टार बने प्रभास जल्द ही रामकथा पर आधारित फिल्म 'आदिपुरुष' में दिखने वाले हैं।

शाहिद-रश्मिका

शुरू करेंगे अनीस बज्मी की फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर जल्द ही एक साथ स्क्रीन साझा करने वाले हैं। दोनों जल्द ही अनीस बज्मी की आने वाली फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। इससे पहले यह खबर आई थी कि अनीस दोनों सितारों को लेकर एक कॉमेडी एक्शन फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। इस फिल्म को एकता कपूर और दिल राजू मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना पहली बार अनीस बज्मी आने वाली कॉमिक कॉपर में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे। बताया जा रहा है कि अभिनेता एक अगस्त से शूटिंग शुरू कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहिद लंबे समय के बाद एक आउट एंड आउट कॉमेडी करने के लिए बहुत उत्साहित हैं और एक अगस्त से फिल्म पर अपना काम शुरू करेंगे। कथित तौर पर अगस्त से दिसंबर तक, टीम शुरू से अंत तक शेड्यूल की योजना बना रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फिल्म में शाहिद के दो अलग-अलग रूप होंगे और वह इन नए आयामों के साथ एक छाप छोड़ना चाहते हैं। शाहिद और रश्मिका के अलावा फिल्म में बड़े कलाकारों की टुकड़ी होगी और जल्द ही इस बारे में घोषणा की जाएगी। दिल राजू और एकता कपूर द्वारा निर्मित यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी और शीर्षक जुलाई तक सामने आ जाएगा। बात करें शाहिद कपूर की आने वाली फिल्मों के बारे में तो अभिनेता के पास अली अब्बास जफर की ब्लडी डैडी और कृति सेनन के साथ दिनेश विजान की अगली फिल्म भी पाइपलाइन में है। वहीं, दूसरी ओर रश्मिका अगली बार संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल में रणबीर कपूर, अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ नजर आएंगी। इस खबर के बाद से फैंस बहुत रश्मिका और शाहिद को एक साथ देखने के लिए बहुत ज्यादा उत्साहित हैं। निर्देशक अनीस बज्मी नो एंट्री, भूल भुलैया, भूल भुलैया 2 और रेडी जैसी सुपरहिट कॉमेडी फिल्में दे चुके हैं। अब फैंस एक और कॉमेडी फिल्म के लिए उत्साहित हैं।

शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान में नजर आएंगी

सान्या मल्होत्रा

शाहरुख खान की जवान इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। एटली द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2 जून, 2023 को रिलीज होने वाली थी। हालांकि हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा की। शाहरुख और नयनतारा अभिनीत जवान अब 7 सितंबर, 2023 को बड़े पर्दे पर आएगी। शाहरुख और नयनतारा के अलावा, फिल्म में विजय सेतुपति और रिधि डोगरा भी हैं। अब सान्या मल्होत्रा ने पुष्टि की है कि वह एटली निर्देशित फिल्म में दिखाई देंगी। फिल्म में एक्ट्रेस शाहरुख खान के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आ सकती हैं। और एक्ट्रेस ने इस प्रोजेक्ट को अपने लिए सपने के सच होने जैसा बताया है. सान्या मल्होत्रा ने पुष्टि की कि वह शाहरुख के साथ एटली के जवान में अभिनय करेंगी। अभिनेत्री ने कहा, मैं उत्साहित हूं क्योंकि मैं आखिरकार इसके बारे में बात कर सकती हूं। इससे पहले, जब भी मुझसे पूछा जाता था कि मैं जवान में हूं या नहीं, मैं वास्तव में कुछ अजीब जवाब देती थी। मैं हमेशा शाहरुख के साथ काम करने की उम्मीद करती थी। एक दिन, तो यह एक सपने के सच होने जैसा है। मैं खुद को उसके आसपास देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता... यह एक ड्रीम रोल है, एक ड्रीम फिल्म है। बस उसके आसपास होने से मुझे वास्तव में खुशी मिलती है। काम के मोर्चे पर सान्या अगली बार कथल में दिखाई देंगी। फिल्म नेटफ्लिक्स पर डिजिटल रिलीज होगी। इस फिल्म के अलावा एक्ट्रेस के पास मेघना गुलजार की सैम बहादुर भी पाइपलाइन में हैं। सान्या फिल्म में विक्की कौशल और फातिमा सना शेख के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

नए कलाकार के लिए इंडस्ट्री में जगह बनाना आसान नहीं

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने बॉलीवुड में चल रहे नेपोटिज्म के बारे में बात करते हुए कहा कि अब उभरते हुए नए कलाकारों के लिए इंडस्ट्री में पैर जमाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। अभिनेत्री ने कहा कि यहां बहुत मुश्किल, क्योंकि यह एक ग्लैमर की दुनिया है। हर कोई इसे देखता है, हर कोई अपनी छवि बनाता है। हम सभी ने इसका सामना किया। यहां तक कि मैंने भी इसका सामना किया। मुझे लगता है कि आखिरकार वही होता है, जो सच में रहता है। दिव्या दत्ता ने कहा कि कई बार एक छोटी सी फिल्म भी बिना मार्केटिंग के चल जाती है और एक छोटा अभिनेता भी अपनी जगह बना लेता है। जब मैं इंडस्ट्री में आई तो हर कोई मुझे एक अच्छी एक्ट्रेस कहते थे और अब वे कहते हैं कि मैं एक स्टार एक्ट्रेस हूं। ये चीजें अपने आप हो गईं, लेकिन मुझे वास्तव में जो लगता है, वह यह है कि लोगों का प्यार बहुत अच्छी कमाई है। स्टारडम आता है और चला जाता है, लेकिन मेरे लिए क्या मायने रखता है, जब दर्शक कहते हैं कि आप हमारी हो, हमारी जैसी दिखती हो और मुझे वास्तव में यह पसंद है। इंडस्ट्री में चल रहे भाई-भतीजावाद पर बात करते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि जब दर्शक मुझ पर भरोसा करते हैं कि मैं अच्छी फिल्में ही करूंगी तो यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर कोई भाई-भतीजावाद का सामना करता है और यहां तक कि चीजें भी उनके लिए आसान नहीं होती हैं। अभिनेत्री ने अपनी आने वाली परियोजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उनके पास तीन वेब शोज और चार फीचर हैं, जिनके लिए वह एक बच्चे की तरह बहुत उत्साहित हैं और खुश हैं।

ऋचा की एक और अंतरराष्ट्रीय फिल्म का एलान

हिंदी सिनेमा की दमदार अदाकारा ऋचा चड्ढा अब एक और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म करने जा रही हैं। लंदन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में फिल्म का ऑफिशियल लॉन्च हुआ। ऋचा ने इसके पहले इंडो-फ्रेंच प्रोडक्शन 'मसान' और 'लव सोनिया' को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं। उनकी नई फिल्म 'आइना' की पृष्ठभूमि लंदन और भारत है। यह इंडो-ब्रिट प्रोडक्शन ऋचा के प्रभावशाली करियर में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसमें वह ब्रिटिश अभिनेता विलियम मोस्ले के साथ मुख्य भूमिका निभा रही हैं। 'आइना' को फिल्म के निर्माताओं द्वारा प्रतिष्ठित हाउस ऑफ लॉर्ड्स में आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया। जहां सांसद आर टी होन स्टुअर्ट एंड्रयू ने फिल्म के मुख्य कलाकारों, निर्देशक और निर्माताओं के साथ फिल्म की घोषणा की। वह सांसद होने के साथ साथ संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग में भी अहम पद रखते हैं। फिल्म 'आइना के निर्देशक मार्कस मीड्ट हैं और यह फिल्म बड़े पैमाने पर मानव और समाज पर युद्ध के कारण होने वाली हिंसा के प्रभाव के बारे में एक सामाजिक ड्रामा है। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए ऋचा ने कहा, 'मैं दुनिया के एक नए हिस्से में काम करने के लिए उत्साहित हूं, मुझे प्रयोग करना पसंद है। उन्होंने भारत और यूके की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं का एक प्रभावशाली दल तैयार किया है। इस तरह के एक महत्वपूर्ण विषय से संबंधित फिल्म को शुरू करने के लिए यह वास्तव में एक सहयोगी प्रयास होने जा रहा है।' फिल्म की शूटिंग के बारे में ऋचा बताती हैं, 'फिलहाल हम लंदन में फिल्म की तैयारी कर रहे हैं और शूटिंग 2 जून से शुरू होने की उम्मीद है। मैंने हमेशा चुनौतीपूर्ण भूमिका के लिए प्रयास किया है और यह निश्चित रूप से मेरे द्वारा लिए गए सबसे कठिन हिस्सों में से एक है।' इस फिल्म में उनके साथ विलियम मोस्ले दिखेंगे जो फिल्म 'द क्रॉनिकल्स ऑफ नार्निया' में एक बाल कलाकार के रूप में काफी प्रसिद्धि प्राप्त कर चुके हैं।

मोसले ने एक अभिनेता के रूप में अपनी असाधारण प्रतिभा और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए भारतीय फिल्म 'मार्गरिटा विद ए स्ट्रॉ' में भी प्रभावशाली भूमिका निभाई। इस फिल्म का निर्माण बिग कैट फिल्म्स यूके कर रही है और निर्माता गीता भल्ला और पीजे सिंह हैं। ऋचा जल्द ही जी स्टूडियोज की फिल्म नर्स मनजोत में नजर आने वाली हैं, जो मेगा हिट कॉमेडी फ्रैंचाइज़ी फुकरे 3 की तीसरी किस्त है और संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित सीरीज हीरामंडी में भी वह एक प्रमुख भूमिका निभा रही हैं।

ग्रीन डिजाइन में EDGE विशेषज्ञ प्रशिक्षण

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

हरित डिजाइन के संदर्भ में अपनी दक्षता के लिए एक निर्माण परियोजना के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए सेवाएं प्रदान करने में सक्षम विशेषज्ञों की उद्योग में मांग बढ़ रही है। EDGE विशेषज्ञ प्रशिक्षण का कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम द्वारा मान्यता प्राप्त है।

EDGE के विशेषज्ञ अपने कौशल, अंतर्दृष्टि और EDGE सॉफ़्टवेयर की गहन समझ लाते हैं ताकि विश्वास पैदा हो सके कि एक परियोजना प्रमाणित रूप से हरी है। उनकी दृढ़ता एक ग्राहक को पूरी तरह से हरित परियोजना की कल्पना करने और महसूस करने का मार्ग प्रशस्त करती है।

व्यक्तिगत स्तर पर, EDGE विशेषज्ञ बनने से अधिक ज्ञान, कैरियर विकास और पेशेवर कार्य को बढ़ावा देने का अवसर मिलता है। दृढ़ स्तर पर, आपकी टीम को साख देने से नई प्रतिभाओं को आकर्षित करने और बनाए रखने के दौरान मौजूदा अभ्यास को बढ़ाने में मदद मिलती है।

एकमात्र प्रैक्टिशनर, इन-हाउस स्टाफ़ या किसी इंजीनियरिंग या आर्किटेक्चर प्रैक्टिस का सदस्य सभी E D G E विशेषज्ञ बन सकते हैं। वे एक अभिन्न

बल हैं जो ग्राहकों को उत्कृष्ट मूल्य प्रदान करते हुए डिजाइन प्रक्रिया को एक साथ बांधते हैं।

EDGE विशेषज्ञ प्रशिक्षण लेने के लाभ

प्रशिक्षण कौशल सेट प्रदान करता है जो ऊर्जा दक्षता और जल बचत प्रणालियों के बारे में समग्र समझ को बढ़ाता है। विशेषज्ञ स्थान, जलवायु के संदर्भ में सर्वोत्तम फिट समाधान प्रदान करने में सक्षम हैं और एकीकृत डिजाइन के निर्माण के लिए रणनीतियों का सुझाव देते हैं जो इमारत के समग्र प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं और इसकी पर्यावरण दक्षता बढ़ा सकते हैं।

EDGE के विशेषज्ञ प्रदर्शन मूल्यांकन के निर्माण और प्रमाणन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए EDGE सॉफ़्टवेयर को लागू करने के तरीकों पर मार्गदर्शन प्रदान करने में सक्षम हैं।

दक्षता के समग्र सुधार के लिए EDGE प्रशिक्षण द्वारा संबोधित तीन मुख्य डोमेन का उद्देश्य ऊर्जा, जल और सामग्री पर अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।

प्रशिक्षण का फोकस विशेषज्ञों का एक पंथ तैयार करना है, जो पर्यावरण के प्रति जागरूक पेशेवर हैं, जो कार्यक्रम की आवश्यकताओं और प्रासंगिक परिवेश के साथ सरेखण में सर्वोत्तम फिट समाधान प्रदान करने में सक्षम हैं।

EDGE विशेषज्ञ बनने के लिए, पात्रता परीक्षा के लिए उपस्थित होने के बाद न्यूनतम 8 घंटे की अवधि का प्रशिक्षण कार्यक्रम अनिवार्य है। इसका विवरण edgebuilds.com की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।

भारतीय नौसेना पोत बत्ती मालव ने त्रिंकोमाली का किया दौरा: यह पोत नौसेना के बांगरम-श्रेणी के गश्ती जहाजों का तीसरा पोत है

सीताराम मेवाती

भारतीय नौसेना के जहाज 'बत्ती मालव' ने 16-17 मई 2023 तक श्रीलंका स्थित त्रिंकोमाली का परिचालन दौरा किया नौसेना की परम्परानुसार इस जहाज का श्रीलंका नौसेना द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान भारतीय नौसेना पोत के कमांडिंग ऑफिसर, लेफ्टिनेंट कमांडर मान सिंह एम ने पूर्वी नौसेना क्षेत्र के कमांडर, रियर एडमिरलएचजीयूडी कुमारा से पूर्वी कमान मुख्यालय में भेंट की. जहाज की यात्रा के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण कार्यों में प्रगति हुई, जिसमेंअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के रन-अप में एक योग सत्र का आयोजन शामिल था. भारतीय औसेना के इस जहाज ने अपनी यात्रा के समय दक्षिणी प्रांत के स्कूली बच्चों के साथ सामाजिक संपर्क भी किया और शिक्षाकी गुणवत्ता में सुधार के लिए सहायता प्रदान की. प्रस्थान के बाद जहाज ने 17 मई 2023 को त्रिंकोमाली से श्रीलंका नौसेना के जहाजरणधीरा के साथ पासेक्स में भाग लिया। ज्ञात हो कि भारतीय नौसेना के जहाज बत्ती मालव जो की एक तेज गश्ती जहाज़ है, इसकी यात्रा, समुद्र में साझा चुनौतियों कोकुशलता से संबोधित करने के लिए आवश्यक है. इसी तरह के तेज गश्ती जहाज में श्रीलंका नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने के लिएदोनों देशों के बीच सहयोग की क्षमता को देखते हुए भी महत्वपूर्ण है. यहाँ ध्यान देने योग्य बात है कि भारतीय नौसेना के जहाज किल्टन और सावित्री ने पहले SLINEX-23 में भाग लेने के लिए 03 से 06 अप्रैल 2023 को कोलंबो का दौरा किया था। श्रीलंका में भारतीय नौसेना के जहाजों के दौरे का उद्देश्य भारत की 'पड़ोसी पहले' नीतिके दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए दो पड़ोसी नौसेनाओं के बीच सौहार्द और अंतरसंक्रियता हासिल करना है और यह हो भी रहा है.

आईएनएस बत्ती मालव भारतीय नौसेना के बांगरम-श्रेणी के गश्ती जहाजों का तीसरा जहाज है. इस को तेजी से आगे बढ़ने वाले सतहजहाजों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने और तटीय क्षेत्रों और विशेष आर्थिक क्षेत्र में खोज और बचाव कार्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है. इस जहाज़ का नामकरण निकोबार में बत्तीमाल्व द्वीप के नाम पर नामित है.

श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने तीन सौ छात्रों को प्रदान की महात्मा गांधी छात्रवृत्ति

सीताराम मेवाती

श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त महामहिम गोपाल बागले ने श्रीलंका के शिक्षा मंत्री डॉ. सुशील प्रेमजयंथा और शिक्षा राज्य मंत्री ए. अरविंद कुमार के साथ मिलकर द्वारा श्रीलंका के सभी 25 जिलों के 300 उन्नत स्तर के स्कूली छात्रों को शिक्षा मंत्रालय में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रतिष्ठित महात्मा गांधी छात्रवृत्ति प्रदान की गई.

इस छात्रवृत्ति के तहत हर महीने प्रत्येक जिले के शीर्ष छह छात्रों को योग्यता सह साधन के आधार पर उन्नत स्तर के छात्रों को श्रीलंकन रुपये 2500 प्रति छात्र प्रदान किया जा रहा है. इस वर्ष, 2021-2022 के दौरान कोविड के कारण एक साथ दो बैचों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई.

छात्रों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए, उच्चायुक्त ने दोनों देशों में युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के महत्व पर बल दिया. बुद्ध और महात्मा के बीच समानताएं बताते हुए उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के आदर्श तेजी से बदलती दुनिया में भी मान्य हैं. भारत और श्रीलंका के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित करते हुए, उन्होंने युवा छात्रों से भारत में उपलब्ध अवसरों का उपयोग करने का आह्वान किया, जहां शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हो रही है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीलंका के युवा छात्र भविष्य में भारत और श्रीलंका दोनों के लिए शक्ति का एक बड़ा स्रोत होंगे.

मंत्री मा. डॉ. प्रेमजयंथा ने न केवल महात्मा गांधी छात्रवृत्ति, बल्कि आईआईटी सहित प्रतिष्ठित संस्थानों में विभिन्न अन्य छात्रवृत्ति और अवसर प्रदान करने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि ये पहल श्रीलंका के मानव संसाधन के विकास में महत्वपूर्ण साबित हुई हैं. मंत्री ने शिक्षा के बारे में महात्मा गांधी के विचारों और विचारों के लिए उन्हें श्रद्धांजलि भी दी. इसके अलावा, उन्होंने स्कूली बच्चों के लिए श्रीलंका में पाठ्य पुस्तक छपाई के लिए समर्थन देने के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त किया.

महात्मा गांधी छात्रवृत्ति के अलावा, भारत सरकार श्रीलंकाई छात्रों को इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, कला, विज्ञान, स्वदेशी चिकित्सा आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में सालाना लगभग 210 छात्रवृत्ति प्रदान करती है. श्रीलंका में सरकारी अधिकारियों के लिए उनके डोमेन ज्ञान को बढ़ाने के लिए ITEC योजना के तहत 400 से अधिक पूरी तरह से भुगतान छात्रवृत्ति स्लॉट भी उपलब्ध हैं. इसके अलावा, "स्टडी इन इंडिया" कार्यक्रम के तहत भारत में श्रीलंकाई छात्रों के लिए हजारों सीटें भी उपलब्ध हैं.

श्रीलंकाई छात्रों के लिए भारतीय उच्चायोग कोलंबो उपलब्ध करा रहा है शैक्षणिक योजना

सीताराम मेवाती, श्रीलंकाई छात्रों के लिए है एक खुशखबरी, भारतीय उच्चायोग, कोलंबो श्रीलंकाई विद्यार्थियों के लिए अनेक पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए स्व वित्त पोषण योजना के तहत आवेदन पत्र आमंत्रित कर रहा है. जो पाठ्यक्रम इस योजना के अंतर्गत उपलब्ध हैं इनमें एमबीबीएस, बीडीएस, बीई, बी.टेक, बी.फार्मा, बी.आर्क, डिप्लोमा स्तर के तकनीकी पाठ्यक्रमों और फार्मेसी पाठ्यक्रम में डिप्लोमा में स्नातक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं. यह योजना पात्र श्रीलंकाई छात्रों (ओसीआई कार्ड धारकों को छोड़कर) के लिए उपलब्ध होगी. जो उम्मीदवार एमबीबीएस / बीडीएस पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उन्हें एनईईटी परीक्षा में कम से कम 50 प्रतिशत अंक और ए/एल में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और अंग्रेजी प्रत्येक में 50% अंक होने चाहिए. जो छात्र इंजीनियरिंग में जैसे बीई/बीटेक और डिप्लोमा उम्मीदवारों को फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में न्यूनतम 60% और ए/एल में अंग्रेजी में 50% की आवश्यकता होगी. इसी प्रकार जो छात्र फार्मेसी में प्रवेश चाहते हैं उन्हें बी.फार्मेसी और फार्मेसी में डिप्लोमा के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी प्रत्येक में न्यूनतम 60% और ए / एल में अंग्रेजी में 50% आवश्यक हैं. आर्किटेक्चर में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को जो बी.आर्क के उम्मीदवारों को अनिवार्य रूप से काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित एप्टीट्यूड टेस्ट को पास करना होगा.

प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवार भारतीय उच्चायोग, कोलम्बो के एजुकेशन विंग से किसी भी कार्य दिवस में दोपहर दो बजे से चार बजे के बीच G.C.E की प्रस्तुति पर आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। ओ/एल, ए/एल प्रमाणपत्र और जन्म प्रमाणपत्र की भी आवश्यकता होगी. सभी सहायक दस्तावेजों के साथ पूर्ण आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 16 जून, 2023 है जो की उच्चायोग से प्राप्त किये जा सकते हैं.

अमेरिका के राजदूत ने की महाराष्ट्र के राज्यपाल से भेंट, 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने के हैं इच्छुक

शाहरुख खान से लॉस एंजिल्स क्रिकेट टीम को समर्थन देने का किया अनुरोध

सीताराम मेवाती

भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनियुक्त राजदूत महामहिम एरिक गार्सेटी ने आज कहा महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस से मुंबई स्थित राज भवन में शिष्टाचार मुलाकात की. इस भेंट में अमेरिकी राजदूत ने इक्षा जाहिर की और कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स द्वारा आयोजित होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट के खेल को शामिल करने का इच्छुक है.

राजदूत ने बताया कि वह स्वयं भी क्रिकेट के गहरे अनुयायी है. उन्होंने कहा कि उन्होंने फिल्म स्टार शाहरुख खान से अनुरोध किया है कि वह लॉस एंजिल्स क्रिकेट टीम को अपना समर्थन दें. राजदूत ने यह भी कहा की 2036 ओलंपिक में मुंबई और अहमदाबाद में करवाने पर विचार कर सकते हैं.

राजदूत ने राज्यपाल को बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ आने वाले महीनों में लगभग चार बैठकें होने की उम्मीद है. यह बैठक नई दिल्ली , टोक्यो, ऑस्ट्रेलिया, वाशिंगटन में हो सकती हैं.

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ अपनी बैठक का उल्लेख करते हुए, राजदूत गार्सेटी ने कहा कि वह शिक्षा, कौशल विकास, कृषि और जलवायु अपनाने की प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में महाराष्ट्र के साथ सहयोग बढ़ाने के इच्छुक हैं.

महामहिम राज्यपाल रमेश बैस ने महाराष्ट्र में राजदूत का स्वागत करते हुए, ने आशा व्यक्त की कि संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रसिद्ध विश्वविद्यालय महाराष्ट्र में परिसर खोलेंगे या राज्य विश्वविद्यालयों के साथ गठजोड़ करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत स्किलिंग, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग के क्षेत्रों में अमेरिका के समर्थन की अपेक्षा जाहिर की और कहा कि भारत अमेरिका की सराहना करेगा.

राजदूत की इस शिष्टाचार भेंट के दौरान मुंबई के कौंसल जनरल माइक हैंके, राजनीतिक व आर्थिक मामलों के कौंसलर क्रिस्टोफर ब्राउन और कौंसल जनरल के राजनीतिक सलाहकार प्रियंका विसारिया-नायक, राज्यपाल के साथ बैठक के दौरान शामिल थे.

समीर वानखेड़े ने एनसीबी जोनल निदेशक के रूप में अपने पद का किया दुरुपयोग, जांच रिपोर्ट में खुलासा

एनसीबी के मुंबई क्षेत्र के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे से जुड़े विवादास्पद ड्रग्स मामले में समीर वानखेड़े की भूमिका की जांच के लिए गठित एनसीबी की विशेष जांच टीम (सेट) को कई कथित सेवा नियमों के उल्लंघन का पता चला है, जिसमें विदेश यात्रा के खर्च और लक्जरी घड़ियों में लेनदेन की गलत सूचना देना शामिल है। सेट के निष्कर्षों को सीबीआई ने रिकॉर्ड में ले लिया है। बात दें, सीबीआई ने हाल ही में 2008-बैच के भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी वानखेड़े के खिलाफ भ्रष्टाचार और कॉर्डेलिया क्रूज पर छापे में नियमों के कथित उल्लंघन के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एनसीबी ने 2 अक्तूबर, 2021 को मुंबई तट पर कॉर्डेलिया क्रूज पर छापा मारा था। इस दौरान शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार किया गया था। आर्यन खान को लगभग एक महीने जेल में बिताने पड़े थे। हालांकि, पिछले साल एनसीबी ने इस मामले में आर्यन खान को बरी कर दिया था। एनसीबी की विशेष जांच टीम (SIT) ने पाया था कि आर्यन के खिलाफ गलत काम करने का कोई सबूत नहीं है। सेट ने पिछले साल केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) को सौंपी अपनी रिपोर्ट में 44 वर्षीय वानखेड़े और उनकी टीम के खिलाफ मुख्य रूप से दो मामलों में अनियमितताएं पाईं, जिसमें

कॉर्डेलिया क्रूज पर छापेमारी में कथित अनियमितताएं और केंद्रीय सिविल सेवा (सीसीएस) नियमों का उल्लंघन शामिल है। हालांकि, समीर वानखेड़े ने इन आरोपों का खंडन किया है और अपने खिलाफ सीबीआई की प्राथमिकी को रद्द कराने के लिए कैट और बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। वानखेड़े का कहना है कि सेट प्रमुख ज्ञानेश्वर सिंह (एनसीबी के उप महानिदेशक) खुद ही अपने आचरण की जांच कर रहे हैं, क्योंकि वह इस छापेमारी के दौरान उनके रिपोर्टिंग बॉस थे। वहीं, हिमाचल प्रदेश कैडर के 1999 बैच के आईपीएस अधिकारी ज्ञानेश्वर सिंह ने कैट को बताया कि उन्होंने वानखेड़े के खिलाफ अपनी जांच में कोई पक्षपात नहीं किया था, क्योंकि इस मामले में मृतक गवाह प्रभाकर सेल द्वारा दायर एक हलफनामे के आधार पर एनसीबी मुख्यालय द्वारा जांच शुरू की गई थी। सेट की रिपोर्ट में कहा गया है कि वानखेड़े ने 2017-21 तक लगभग पांच वर्षों की अवधि में यूके, आयरलैंड, पुर्तगाल, दक्षिण अफ्रीका और मालदीव में परिवार के साथ छह निजी विदेश यात्राएं कीं और 55 दिनों की विदेश यात्रा पर 8.75 लाख रुपये खर्च होने की जानकारी दी थी, जो सिर्फ हवाई यात्रा की लागत के बराबर हो सकता है।

बागेश्वर सरकार पर बनेगी फिल्म, निर्देशक विनोद तिवारी ने की घोषणा

मुंबई। इन दिनों बागेश्वर धाम वाले बाबा धीरेंद्र शास्त्री का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में बना हुआ। जहाँ कहीं भी उनका दरबार लग रहा है लाखों की संख्या में लोग उनका प्रवचन सुनने पहुंच रहे हैं। कई लोग उन्हें चमत्कारी व दिव्य पुरुष मान रहे हैं तो कुछ उनके ज्ञान पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे हैं। इस समय ये बाबा हिंदुत्व का सबसे बड़ा चेहरा बनकर उभरे हैं और सनातन धर्म की रक्षा के लिए हिंदुओं को सचेत कर रहे हैं। इनके मार्गदर्शन से प्रभावित होकर धर्मांतरित हो चुके कई लोगों ने हिन्दू धर्म में पुनः वापसी भी की है।अब बागेश्वर बालाजी सरकार के जीवन आधारित है। इस फिल्म में उनके संघर्षों का संक्षिप्त वर्णन किया जाएगा। इस फिल्म के माध्यम से एक परोपकारी व्यक्ति के आदर्शों को समाज तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। विनोद तिवारी ने आगे बताया कि बागेश्वर महाराज देश विदेश में सनातन धर्म के लोगों को साथ जोड़ रहे हैं यह बड़ी खुशी की बात है। इससे मैं बहुत प्रभावित हुआ हूँ कि उनके उपदेश से सनातनियों में एक अलख जगाई है और धर्म की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा रहे हैं।

से प्रेरित एक हिंदी फिल्म का निर्माण किया जा रहा है।

नॉस्ट्रम एंटरटेनमेंट हब द्वारा निर्मित की जा रही फिल्म 'द बागेश्वर सरकार' जिसके निर्देशक विनोद तिवारी हैं। इस फिल्म को हिंदी के साथ विभिन्न भाषाओं में निर्माण किया जा रहा है। निर्देशक विनोद तिवारी ने 'द बागेश्वर सरकार' बनाने के पीछे अपना उद्देश्य बताया कि दुनिया भर में बागेश्वर सरकार की महिमा और उनके अनुयाइयों का प्रेम देखकर फिल्म बनाने का निर्णय लिया गया है। यह फिल्म बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पूज्य श्री श्री धीरेन्द्र शास्त्री जी के जीवन पर

ज्ञात हो कि विनोद तिवारी की हालिया प्रदर्शित फिल्म 'द कन्वर्जन' लव जिहाद जैसी एक ज्वलंत मुद्दे पर बनी थी जिसमें विंध्या तिवारी, प्रतीक शुक्ला, रवि भाटिया और मनोज जोशी ने अभिनय किया है। इससे पहले उनकी कॉमेडी फिल्म 'तेरी भाभी है पगले' ने भी सफलता का स्वाद चखा था जो कि कृष्णा अभिषेक, रजनीश दुग्गल, नाजिया हुसैन के अभिनय से सजी थी।- संतोष साहू

एकनाथ शिंदे ने की हाई लेवल मीटिंग, इस काम को लेकर अधिकारियों को दिया अल्टीमेटम

सीएमओ के एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की और कोल्हापुर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के काम की तैयारियों की समीक्षा की. बयान में आगे कहा गया है कि सीएम शिंदे के नेतृत्व में 19 मई को कोल्हापुर शहर में राजाराम झील के किनारे अत्याधुनिक अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर की स्थापना को लेकर बैठक हुई. बैठक में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने निर्देश दिया कि महाराष्ट्र के ऐतिहासिक शहर कोल्हापुर की शान बढ़ाने वाला केंद्र एक साल के भीतर बनाया जाना चाहिए. इस बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष राजेश क्षीरसागर,

पूर्व विधायक चंद्रदीप नारके, राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव नितिन करीर, योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजगोपाल देवड़ा, एमएसआरडीसी के प्रबंध निदेशक राधेश्याम मोपलवार, कोल्हापुर के कलेक्टर राहुल रेखावार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे. आधिकारिक बयान में कहा गया है, राजाराम झील के पास बनने वाले कन्वेंशन सेंटर में लगभग 2000 लोगों की क्षमता वाला सभागार, बहुउद्देश्यीय हॉल, कॉन्फ्रेंस हॉल, आर्ट गैलरी, एम्फीथिएटर आदि होंगे. मुख्यमंत्री ने राजाराम में म्यूजिकल फाउंटेन, झील, लाइट एंड साउंड शो रखने के निर्देश दिए." क्या-क्या बनेगा?

इसमें कहा गया है, "एक आर्ट गैलरी होगी, स्थानीय और स्थानीय कलाकारों के लिए एक एम्फीथिएटर सही मंच होगा और शहर और क्षेत्र में छोटे व्यवसायों और उद्यमियों के लिए विभिन्न विषयों पर प्रदर्शनी के लिए एक केंद्र उपलब्ध होगा. केंद्र का निर्माण करते समय ही, पेड़ क्षेत्र में पौधरोपण किया जाए और आसपास का सौंदर्यीकरण किया जाए.

भावपूर्ण श्रद्धांजली

बलवंतभाई राठौड़
स्वर्गवास 19/05/23
शोकाकुल परिवार
प्रतिक राठौड़ (पुत्र), मनहर गोपालभाई राठौड़ (भाई), विजय गोपालभाई राठौड़ (भाई),वरुण सुरती, केतनभाई चुनावाला, हर्षदभाई मकवाना, किरीटभाई चावड़ा व मुंबई तरंग परिवार

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।